@saahassamachar @saahassamachar @saahassamachar

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

# साहस समाचार

निष्पक्ष, निर्भीक, बेबाक




नई दिल्ली, बुधवार, 11 नवंबर 2026, वर्ष-2, अंक-23, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए RNI No-DLHIN/25/A2841 www.saahassamachar.in

## सिख-विरोधी दंगे देश के इतिहास का दुखद और शर्मनाक अध्याय: सोनिया गांधी

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण में 1984 के सिख-विरोधी दंगों को देश के इतिहास का एक दुखद और शर्मनाक अध्याय बताते हुए कहा कि उनके पति राजीव गांधी के मन में कोई कट्टरता या द्वेष नहीं था, लेकिन वह इतिहास के एक ऐसे दौर में थे, जब शासन-व्यवस्था चरमरा गई थी और बर्बर घटनाएं हो रही थीं।

सोनिया ने मंगलवार को जारी अपने संस्मरण बिलॉन्गिंग : ए जर्नी ऑफ लव' में लिखा है कि (तत्कालीन प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी की हत्या की खबर तेजी से फैल गई थी तथा पंजाब और देश के अन्य हिस्सों में कई लोगों ने (जरनैल सिंह) भिंडरावाले और उसके साथियों के खात्मे का स्वागत किया था, जो आतंक और हत्याओं के जरिये देश को तोड़ने पर आमादा थे।उन्होंने संस्मरण में लिखा है, "लेकिन कई लोग अपनी प्रधानमंत्री की हत्या से बेहद गुस्से में थे और हालात बिगड़ते जा रहे थे।

दोपहर तक शहर के अलग-अलग हिस्सों और उसके बाहर भी दंगे भड़क गए। निर्दोष सिखों के खिलाफ बेहद क्रूर हिंसा की गई। अकेले राष्ट्रीय राजधानी में 2,000 से ज्यादा लोगों की जान ले ली गई—वह भी बेहद बेरहमी और क्रूर तरीके से।सोनिया गांधी ने लिखा है कि सिखों की कई दुकानों और घरों में




लूटपाट की गई या उन्हें आग के हवाले कर दिया गया।उन्होंने पुस्तक में उल्लेख किया कि उसी रात राजीव गांधी राष्ट्रीय टेलीविजन (दूरदर्शन) पर आए और शांति की अपील की; प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद एक तरह से यह उनका पहला सार्वजनिक कदम था।

उन्होंने संस्मरण में लिखा, राजीव शहर के उन इलाकों में गए, जहां तनाव बहुत ज्यादा था। उनके स्टाफ अपने सिख साथियों को ढूंढ़ने और यह सुनिश्चित करने के लिए निकले कि वे सुरक्षित हैं। एक नवंबर को राजीव फिर से दंगा प्रभावित इलाकों में गए, आम लोगों से बात की और उनसे अपील की कि वे बदला लेने की कोशिश न करें।कांग्रेस नेता अपने संस्मरण में बताती हैं कि दो नवंबर को राजीव ने टेलीविजन पर शांति की एक और अपील की, जिसमें उन्होंने देशभर के लोगों को इंदिरा गांधी के इन शब्दों को याद दिलाया कि खून मत बहाओ, नफरत छोड़ो। सोनिया लिखती हैं, जब मैं (इंदिरा गांधी की) हत्या के बाद की उन मुश्किल रातों के बारे में सोचती हूं, तो मुझे कुछ भी साफ-साफ याद नहीं आता। उस समय मैं अपनी सास की हत्या को लेकर गहरे सदमे और खौफ में थी। मुझे बस राजीव और हमारे बच्चों की सुरक्षा की चिंता सता रही थी।वह बताती हैं, "एक बात तो तय है : राजीव, जो स्वभाव से ही न्यायप्रिय और दयालु थे, किसी भी तरह से निर्दोष पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ उन जघन्य कृत्यों की अनुमति नहीं दे सकते थे। गहरी व्यक्तिगत पीड़ा के पल में उनकी स्वाभाविक और तत्काल प्रतिक्रिया इस बात की पुष्टि करती है।

सोनिया गांधी ने संस्मरण में लिखा, "हालांकि, उनके (राजीव) मन में कोई कट्टरता या द्वेष नहीं था, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन्हें देश के इतिहास के एक ऐसे दौर में धकेल दिया गया था, जब प्रभावी शासन व्यवस्था चरमरा गई थी और बर्बर घटनाएं होने लगी थीं।उन्होंने लिखा है कि उस भयावह दौर के बारे में कई परस्पर विरोधी रिपोर्ट सामने आई हैं, जिनमें से कुछ सेना की तैनाती में हुई देरी से संबंधित हैं।पुस्तक में उन्होंने लिखा, हालांकि, (तत्कालीन) सेना प्रमुख जनरल एएस वैद्य को हत्या वाली रात ही उनसे (राजीव) आदेश मिल गए थे, लेकिन बाद में हमें पता चला कि उन्होंने (वैद्य) सबसे नजदीकी टुकड़ियों को तैनात न करने का फैसला किया, क्योंकि उनमें सिख सैनिक थे--एक ऐसा कारक, जो स्थिति को और बिगाड़ सकता था।

### सार समाचार

#### एमसीडी कर्मचारी की पीट-पीटकर हत्या

**नई दिल्ली, एजेंसी।** उत्तर-पश्चिम दिल्ली के रामगढ़ इलाके में मंगलवार को एक विवाद के बाद एमसीडी के 45 वर्षीय सफाई कर्मचारी की पत्थरों और लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को पकड़ा है। जहांगीरपुरी के रहने वाले पीड़ित विजय प्रकाश उर्फ सोनू रामगढ़ में गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला था। पुलिस ने बताया कि उसे तुरंत बाबू जगजीवन राम मेमोरियल (बीजेआरएम) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

#### दिल्ली सरकार ने छठ पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि छठ पूजा के दिन सभी सरकारी कार्यालयों में अवकाश रहेगा। इस आशय का एक सरकारी आदेश जारी किया गया है। आदेश में कहा गया है, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के उपराज्यपाल ने प्रतिहार षष्ठी या सूर्य षष्ठी (छठ पूजा) के अवसर पर 16 नवंबर को सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में अवकाश घोषित किया है। इससे पहले, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा था कि छठ न केवल एक धार्मिक उत्सव है, बल्कि दिल्ली की सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी है।

#### सोनिया गांधी आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश कर रही हैं: भाजपा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर उनकी किताब 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में आपातकाल को सही ठहराने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि इस पुस्तक का नाम व्हाइटवॉशिंग होना चाहिए था।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस पुस्तक का उद्देश्य नेहरू-गांधी परिवार द्वारा की गई ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालना प्रतीत होता है। सत्ताधारी दल की यह टिप्पणी सोनिया गांधी की इस किताब के बाजार में आने के दिन आई है, जिसमें उन्होंने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए इसे एक गलती बताया है। सोनिया गांधी ने लिखा कि उनका मानना है कि उनकी सास एवं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी बाद में ऐसा ही महसूस होने लगा था।

## वायु प्रदूषण में हम विश्वगुरु क्यों बन रहे हैं : खरगे

**नई दिल्ली, एजेंसी।**



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के बीच मंगलवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि वायु प्रदूषण के मामले में दिल्ली 'विश्वगुरु' क्यों बनती जा रही है और क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश को हवा का हिसाब देने का साहस दिखाएंगे?

दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने को भी इसकी एक प्रमुख वजह माना जा रहा है।

खरगे ने मोदी सरकार पर प्रदूषण से निपटने के लिए टुकड़ों में उपाय करने का आरोप लगाया।

उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वायु प्रदूषण के मामले में हम 'विश्वगुरु' क्यों बन रहे हैं? टुकड़ों में किए गए उपाय, प्रचार के हथकंडे, अधूरे वादे और एक-दूसरे पर आरोप लगाना भाजपा की पहचान बन गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि स्वच्छ हवा मौलिक अधिकार है, सरकार की ओर से दी जाने वाली कोई विशेष सुविधा नहीं। खरगे ने दावा किया कि पिछले साल वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) निगरानी केंद्रों के आसपास पानी के टैंकरों से छिड़काव किया गया था, ताकि प्रदूषण के आंकड़ों को कम दिखाया जा सके। इस साल प्रदूषण चरम पर पहुंचने के दौरान दिल्ली के 59 में से 36 निगरानी केंद्रों पर पीएम2.5 के आंकड़े ही गायब हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 वर्षों में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर केवल बयानबाजी की है।

## पंजाब में पराली जलाने के 4,657 मामले आए सामने

पटियाला,एजेंसी।पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की ओर से की जा रही कार्रवाई के बावजूद खेतों में आग लगाने के मामले सामने आ रहे हैं।पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की 9 नवंबर 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में पराली जलाने की कुल 4,657 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन मामलों में 1,442 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि पर्यावरणीय जुर्माने के रूप में 7 करोड़ 28 लाख 50 हजार रुपये लगाए गए हैं। इनमें से 3 करोड़ 36 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में कुल 32.87 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र में से 93.70 प्रतिशत क्षेत्र में कटाई पूरी हो चुकी है। पराली जलाने की घटनाओं को लेकर प्रशासनिक और निगरानी टीमें लगातार खेतों का निरीक्षण कर रही हैं। अब तक 3,845 खेतों में आग लगने की घटनाओं का निरीक्षण किया गया है।

## संघर्ष खत्म करने के लिए रूस-यूक्रेन के संपर्क में भारत

### इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति बाधित हुई है

**नई दिल्ली, एजेंसी।**



भारत ने मंगलवार को कहा कि उसने रूस और यूक्रेन को काला सागर में जहाजों की सुरक्षा, अनाज एवं ऊर्जा निर्यात से जुड़ी तत्काल चिंताओं के समाधान तथा हमले नहीं करने की संभावनाओं के संबंध में कुछ सुझाव दिए हैं।

भारत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब करीब पांच साल से जारी संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए रूस, यूक्रेन और अमेरिका के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तीन पक्षीय वार्ता शुरू हुई है। इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति बाधित हुई है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत के दौरान कहा था कि भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने के उद्देश्य से किए जा रहे सभी प्रयासों में योगदान देने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस वार्ता में कहा, भारत लगातार यह कहता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। हाल के महीनों में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अंतहीन युद्ध को अब युद्ध की समाप्ति का रास्ता देना चाहिए।

जायसवाल ने कहा, शांति स्थापित करने के इसी विचार के तहत भारत दोनों पक्षों के संपर्क में है और उसने काला सागर में जहाजों की सुरक्षा, अनाज एवं ऊर्जा निर्यात को लेकर रूस और यूक्रेन की तत्काल चिंताओं का समाधान तथा एक-दूसरे पर हमला नहीं करने की संभावनाओं के संबंध में कुछ सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी और जेलेंस्की ने रूस-यूक्रेन संघर्ष, उससे जुड़े मानवीय पहलुओं और शांति बहाल करने के विभिन्न प्रयासों पर अपने विचार साझा किए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में हरसंभव योगदान देने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। जायसवाल ने बताया कि इसके बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बातचीत की और संघर्ष समाप्त करने के लिए जारी कूटनीतिक पहल पर चर्चा की।

उन्होंने कहा, हमने खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल होने वाले गलियारे के मुद्दे पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत क्षेत्र में शांति बहाल करने में योगदान देने के लिए दोनों पक्षों के साथ-साथ अन्य संबंधित पक्षों के भी संपर्क में है।

मोदी के साथ फोन पर बातचीत के बाद जेलेंस्की ने कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ काला सागर के रास्ते अनाज निर्यात रोकने संबंधी रूस के कदम पर चर्चा की और भारत खाद्य गलियारे स्थापित करने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा था, हमने काला सागर के रास्ते अनाज का निर्यात रोकने के रूस के कदम पर चर्चा की। भारत खाद्य गलियारे स्थापित करने में मध्यस्थता करने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि ये प्रयास जारी रहेंगे। तनाव कम करने में भारत की संभावित भूमिका को लेकर जेलेंस्की की इस टिप्पणी से कुछ सप्ताह पहले जयशंकर ने कहा था कि नयी दिल्ली केवल अपनी बात रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसने हाल के महीनों में कीव और मॉस्को दोनों के साथ बातचीत करके यूक्रेन संघर्ष का समाधान निकालने के प्रयास तेज किए हैं। करीब एक महीने पहले यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा था कि कीव को भारत और तीन अन्य देशों से संभावित युद्धविराम के लिए अलग-अलग प्रस्ताव मिले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सितंबर में बिश्केक में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान संघर्ष तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया था। उन्होंने रूसी नेता से अंतहीन युद्ध से निकलकर युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया था। इसके कुछ दिन बाद जयशंकर यूक्रेन की राजधानी कीव गए थे और कहा था कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए हरसंभव योगदान देने को तैयार है। पिछले महीने पुतिन ने कहा था कि संघर्ष का ऐसा समाधान तलाशने के लिए मोदी के पास अच्छे विचार हैं, जिसे दोनों पक्ष स्वीकार कर सकें।

### खालिस्तानी अलगाववादी नेता पन्नू की ओर से दोभाल पर लगाए गए आरोप मनगढ़ंत : भारत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत ने खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से अमेरिका की एक अदालत में दायर दीवानी मुकदमे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल के खिलाफ लगाए गए आरोपों को मंगलवार को "मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण" बताते हुए खारिज कर दिया।

भारत की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी विदेश विभाग के इस बयान के बाद आई है कि उसने मुकदमे के संबंध में अदालत की ओर से भारतीय अधिकारियों को जारी किए गए समन एक राजनयिक नोट के माध्यम से भारत सरकार को सौंप दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, हम अपने उच्च अधिकारियों के विरुद्ध लगाये गये मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण आरोपों को खारिज करते हैं। हम बेबुनियाद मुकदमों को भी खारिज करते हैं।

## आचार संहिता के दौरान रिटायर्ड अफसरों पर भी लागू होंगे सरकारी कर्मचारियों वाले नियम

**नई दिल्ली, एजेंसी।**




चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के दौरान राजनीतिक तटस्थता को लेकर बड़ा निर्देश जारी किया है। आयोग ने कहा है कि सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने वाले प्रतिबंध और पाबंदियां अब उन व्यक्तियों पर भी लागू होंगी, जिनमें रिटायर्ड सरकारी अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं, जो विभिन्न पदों पर राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए, नियुक्त किए गए या पुनर्नियुक्त किए गए हैं। यह निर्देश गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजा गया है। पत्र में आयोग ने अपने पुराने निर्देशों 6 नवंबर 1984 और 6 अप्रैल 1991 का हवाला दिया है।

आयोग ने पहले भी सरकारी कर्मचारियों के आचरण को लेकर निर्देश जारी किए थे, जिसमें कहा गया था कि उनसे किसी भी चुनाव प्रचार या प्रचार-प्रसार में हिस्सा लेने की उम्मीद नहीं की जाती है। उन्हें इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि वे किसी एक व्यक्ति, राजनीतिक दल या समूह की मदद के लिए अपना नाम, आधिकारिक पद या अधिकार का इस्तेमाल न करें।

आदर्श आचार संहिता के प्रावधान उन सभी संगठनों, समितियों, निगमों और आयोगों आदि पर लागू होते हैं, जो पूरी तरह या आंशिक रूप से सरकार द्वारा वित्त पोषित हैं, और उनके कर्मचारियों पर भी लागू होते हैं।इसके अलावा, राज्यों में संबंधित आचरण नियम सरकारी सेवकों को राजनीतिक गतिविधियों और चुनावों में भाग लेने से रोकते हैं।आयोग ने कहा कि ऐसे व्यक्ति, जिनमें रिटायर्ड सरकारी अधिकारी, अफसर और कर्मचारी शामिल हैं, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों द्वारा विभिन्न क्षमताओं में संलग्न या नियुक्त या पुनर्नियुक्त किए जाते हैं, जिनके लिए आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान उनकी राजनीतिक तटस्थता और आचरण से संबंधित कोई विशिष्ट दिशा-निर्देश या नियम नहीं हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए आयोग ने निर्देश दिया है कि सरकारी सेवकों पर लागू होने वाले प्रतिबंध और निषेध आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान उपरोक्त श्रेणी के व्यक्तियों पर भी समान रूप से लागू होंगे।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की सरकारों, दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली पुलिस को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया

## दिल्ली-एनसीआर में वाहन प्रदूषण पर तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।**



उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में तेज वृद्धि के मद्देनजर तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है और उसने दिल्ली एवं इसके तीन पड़ोसी राज्यों की सरकारों को निर्धारित समय सीमा पार कर चुके वाहनों के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रवेश और संचालन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी देने का निर्देश दिया है।

शीर्ष अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की सरकारों, दिल्ली नगर निगम तथा दिल्ली पुलिस को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने उनसे यह बताने को भी कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और बिगड़ती वायु गुणवत्ता में इसके योगदान को कम करने के लिए अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्तर पर और कौन से उपाय प्रस्तावित हैं या किन पर विचार किया जा रहा है।

न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों की पहचान करने, उन पर निगरानी रखने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) संबंधी आवश्यकताओं का पालन सुनिश्चित करने समेत उठाए जा रहे मौजूदा कदमों की जानकारी देने का भी निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने प्राधिकारियों से दिल्ली और एनसीआर में वाणिज्यिक एवं गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश और आवाजाही को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियामक ढांचे और नियमों को लागू करने की व्यवस्था की जानकारी मांगी। पीठ ने विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों के संबंध में जानकारी देने को कहा।

शीर्ष अदालत ने एनसीआर में वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई सुनवाई के दौरान छह नवंबर को यह आदेश दिया था।

पीठ ने कहा कि उसके समक्ष पेश आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में पराली जलाने की घटनाओं में काफी कमी आई है।

पीठ ने कहा, यह निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन इन्हीं आंकड़ों से एक और उतनी ही गंभीर चिंता भी सामने आई है और वह है वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के कारण पैदा होने वाली समस्याओं में तेज वृद्धि। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह ध्यान में रखना जरूरी है कि दिल्ली और एनसीआर भौगोलिक तथा आर्थिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं इसलिए इन क्षेत्रों को न केवल अपनी सीमाओं के भीतर चलने वाले वाहनों, बल्कि पड़ोसी राज्यों उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान से आने वाले वाहनों की आवाजाही का भी संयुक्त रूप से बोझ उठाना पड़ता है। न्यायालय ने कहा, क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में वाणिज्यिक एवं गैर-वाणिज्यिक वाहनों के शहर में प्रवेश करने और यहां चलने से स्थिति और गंभीर हो जाती है। इससे वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का मौजूदा बोझ और बढ़ जाता है। पीठ ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की जरूरत है। न्यायालय ने संबंधित प्राधिकारियों से एनसीआर में निर्धारित अवधि से अधिक पुराने, परिचालन की अवधि पूरी कर चुके या अन्य नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के प्रवेश और संचालन पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी।

## तमिलनाडु में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र में तीन मजदूरों की मौत

**कृष्णगिरि, एजेंसी।**

तमिलनाडु के होसुर में आईफोन के पुर्जे बनाने वाली नाल्को वाटर की ओर से संचालित टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की फैक्टरी में हुई एक घटना में तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि अपशिष्ट जल शोधन टैंक की सफाई के दौरान दम घुटने के कारण ठेके के तहत काम पर रखे गए तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान होसुर की कावेरी (30) और धर्मपुरी जिले के बी अकमल (28) तथा एम सारथी कुमार (28) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि ठेके पर रखे गए ये मजदूर सोमवार शाम को अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र (ईटीपी) के एक भंडारण टैंक में जमा गाद निकाल रहे थे, तभी वे जहरीली गैस की चपेट में आ गए और टैंक के अंदर ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम होने के कारण उनका दम घुट गया।

पुलिस के अनुसार, सबसे पहले अकमल ने टैंक के अंदर झांककर जांच करने की कोशिश की, इस दौरान जहरीली गैस के संपर्क में आने से वह बेहोश होकर गिर पड़ा।

पुलिस ने बताया कि उसे बचाने के लिए कावेरी ने सारथी से टैंक के अंदर जाने को कहा, लेकिन अंदर जाते ही वह भी बेहोश हो गया।

पुलिस के मुताबिक, इसके बाद कावेरी खुद टैंक के अंदर उतरी, लेकिन जहरीली गैस के कारण कुछ ही देर में उसकी भी मौत हो गई।

घटना के दौरान वहां मौजूद चौथे मजदूर ने यह सब देखा और तुरंत आसपास मौजूद श्रमिकों को इसकी जानकारी दी।

# दिल्ली में आगामी सीजन में लगेंगे तीन लाख ट्यूलिप, नेहरू पार्क में बनेगा ट्यूलिप गार्डन

**नई दिल्ली,एजेंसी।**



दिल्ली के पार्क और सार्वजनिक स्थल आगामी वसंत में तीन लाख ट्यूलिप के फूलों से गुलजार होंगे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने क्षेत्र में आगामी सीजन में तीन लाख आयातित ट्यूलिप बल्ब लगाएगी। वहीं, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के क्षेत्र में भी 1.67 लाख ट्यूलिप लगाए जाने की योजना है। एनडीएमसी इस साल नेहरू पार्क में एक विशेष ट्यूलिप गार्डन भी विकसित करेगी। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को लोधी गार्डन स्थित एनडीएमसी की हाईटेक नर्सरी का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने ट्यूलिप ग्रोथ-कम-स्टोरेज चैंबर, कम्पोस्टिंग सुविधा, कैक्टस हाउस और बागवानी में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनों का निरीक्षण किया।

उन्होंने ट्यूलिप की स्थानीय स्तर पर खेती की क्षमता विकसित करने और आयातित बल्बों पर निर्भरता कम करने के एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की। एनडीएमसी ने वर्ष 2022 में स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप उगाने की पहल शुरू की थी। पिछले सीजन में करीब 40 हजार ट्यूलिप बल्ब तैयार किए गए। इनमें से लगभग 24 हजार बल्ब आगामी सीजन में फूलों के लिए लगाए जाएंगे, जबकि शेष का इस्तेमाल ग्रोथ चैंबर में बल्बों का आकार बढ़ाने के प्रयोग में होगा। हालांकि, आगामी सीजन के लिए एनडीएमसी और डीडीए क्षेत्रों में कुल 4.67 लाख बल्ब खरीदने की योजना है।

इनमें तीन लाख एनडीएमसी और 1.67 लाख डीडीए क्षेत्र के लिए होंगे। एनडीएमसी आम लोगों को गमलों में ट्यूलिप लगाने के लिए भी उपलब्ध कराएगी। करीब 300 वर्ग मीटर में फैली हाईटेक नर्सरी में एक चक्र में 18 से 20 हजार पौधे तैयार किए जा सकते हैं। साल में चार उत्पादन चक्रों के हिसाब से यहां करीब 80 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता है। कैक्टस हाउस में कैक्टस और सक्यूलेंट्स की करीब 400 प्रजातियों के नमूने हैं।

उपराज्यपाल ने बीमार और पुराने पेड़ों के उपचार के लिए इस्तेमाल की जा रही ट्री एंबुलेंस का भी निरीक्षण किया। इसमें हाई प्रेशर जेटिंग मशीन और पेड़ों की छंटाई व उपचार के लिए विशेष उपकरण उपलब्ध हैं। यह खोखले तनों वाले पेड़ों की ट्री सर्जरी करने में भी सक्षम है।

# दिल्ली में दूषित पानी से हाहाकार, 20 दिनों से हजारों लोग परेशान

**नई दिल्ली, एजेंसी।**



पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति ने हजारों लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पश्चिम विनोद नगर सहित आसपास की कई कॉलोनियों में पिछले 20 दिनों से घरों के नलों में गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आ रहा है। पानी से सीवर जैसी तेज बदबू आने के कारण लोग इसका इस्तेमाल पीने और खाना बनाने के लिए तो दूर, घरेलू कार्यों में भी करने से बच रहे हैं। लगातार बनी इस समस्या से स्थानीय निवासियों में संक्रमण और पेट संबंधी बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घरों में पेयजल के नियमित कनेक्शन होने के बावजूद लोगों को अपनी जरूरत पूरी करने के लिए निजी जल संयंत्रों से पानी के जार खरीदने पड़ रहे हैं। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। दीपावली जैसे त्योहार पर भी क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो सका और उन्हें साफ-सफाई से लेकर भोजन तैयार करने तक के लिए पानी का अलग से प्रबंध करना पड़ा।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिम विनोद नगर के ए, बी और ई ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक तथा मंडावली के पाल मोहल्ले में दूषित पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। लोगों का कहना है कि नल खोलते ही पानी से इतनी तेज दुर्गंध आती है कि आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो जाता है। पानी का रंग और उसकी गंध देखकर लोग उसे इस्तेमाल करने से डर रहे हैं।

दूषित जलापूर्ति के कारण लोगों को प्रतिदिन 30 से 40 रुपये खर्च करके पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। जिन परिवारों में छोटे बच्चे और बुजुर्ग हैं, उनकी चिंता और भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित रूप से पानी का बिल चुकाने के बावजूद उन्हें स्वच्छ पेयजल के लिए बाजार पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी राधेश्याम ने बताया कि क्षेत्र में 20 दिनों से अधिक समय से यह समस्या बनी हुई है।

उनका आरोप है कि पेयजल और सीवर की पाइपलाइन आपस में मिल जाने के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंच रहा है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दूषित पानी के सेवन से लोगों को पेट संबंधी बीमारियों और संक्रमण का सामना करना पड़ सकता है।क्षेत्र में रहने वाले अभिभावकों को विशेष रूप से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता सता रही है। लोगों का कहना है कि दूषित पानी के कारण रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं।

# झण्डेवाला देवी मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ गोवर्धन पूजा संपन्न

## गोवर्धन महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भक्तों को वितरित किया गया अन्नकूट भंडारे का प्रसाद

**नई दिल्ली, साहस समाचार।**



प्राचीन ऐतिहासिक झण्डेवाला देवी मंदिर में गोवर्धन पूजा श्रद्धा और धूमधाम के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर मंदिर परिसर में गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई।

गोवर्धन पूजा के उपलक्ष्य में मंदिर की महिला कीर्तन मंडली ने प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक भजन-कीर्तन किया। भक्ति गीतों से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। दोपहर 12 बजे मंदिर की नियमित आरती के पश्चात गोवर्धन महाराज का विधिवत पूजन एवं आरती की गई।

पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर के निकासी द्वार पर श्रद्धालुओं के बीच अन्नकूट भंडारे के प्रसाद का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और गोवर्धन महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की।

# भाई दूज पर यूपी रोडवेज ने भी उतारीं 25 अतिरिक्त बसें

**बल्लभगढ़,एजेंसी।**




भाई दूज के त्योहार पर बहनों के घर जाने और वहां से वापस लौटने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए हरियाणा रोडवेज और उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने अतिरिक्त बसें सड़कों पर उतारी हैं। उत्तर प्रदेश रोडवेज की ओर से अलीगढ़ रूट पर 25 अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। वहीं, हरियाणा रोडवेज के फरीदाबाद डिपो की ओर से मंगलवार को अलीगढ़ रूट पर 20 और आगरा रूट पर 10 अतिरिक्त बसें भेजी गईं।

अधिकारियों के अनुसार, बुधवार को यात्रियों की संभावित भीड़ को देखते हुए अलीगढ़ रूट पर करीब 40 और आगरा रूट पर 15 बसें चलाने की तैयारी की गई है। इसके लिए रोडवेज प्रबंधन ने आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। भाई दूज के अवसर पर सुबह से ही बल्लभगढ़ बस अड्डे और अलीगढ़-आगरा मार्ग पर यात्रियों की भारी भीड़ देखने को मिली। खासकर अलीगढ़ जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रही। सरकारी बसों की संख्या बढ़ने से यात्रियों को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन भीड़ के चलते बसों में सीट मिलना मुश्किल हो रहा है। कई यात्रियों को बसों में जगह नहीं मिलने के कारण निजी बसों और ऑटो का सहारा लेना पड़ रहा है।

हरियाणा रोडवेज फरीदाबाद डिपो के महाप्रबंधक जितेंद्र यादव ने बताया कि भाई दूज पर यात्रियों की संख्या को देखते हुए अलीगढ़ और आगरा रूट पर अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं। मंगलवार को अलीगढ़ रूट पर 20 और आगरा रूट पर 10 बसें भेजी गई हैं। बुधवार को अलीगढ़ के लिए करीब 40 और आगरा के लिए 15 बसें चलाने की तैयारी है। यात्रियों की सुविधा के लिए रोडवेज की ओर से पूरी व्यवस्था की गई है। जरूरत के अनुसार बसों के फेरे भी बढ़ाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो।

सरकारी बसों की संख्या बढ़ाए जाने के बावजूद यात्रियों की भीड़ का फायदा निजी बस संचालक उठा रहे हैं। निजी बसें जगह-जगह से यात्रियों को भरकर ले जा रही हैं। कई बसों में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाई जा रही हैं। वहीं, ऑटो चालक भी अलीगढ़ की ओर जाने वाले यात्रियों को ढो रहे हैं। छोटे ऑटो में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर लंबी दूरी तय कराई जा रही है। इससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ रही है।

यात्री नीलम ने बताया कि भाई दूज के कारण बसों में काफी भीड़ है। सरकारी बसें मिल तो रही हैं, लेकिन उनमें बैठने की जगह नहीं मिल पा रही है। मजबूरी में लोगों को निजी बसों का सहारा लेना पड़ रहा है। निजी बस संचालक भी यात्रियों की भीड़ का फायदा उठा रहे हैं।

## भाई दूज पर बहनों की पसंद के खास तोहफों का बढ़ा चलन

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

भाई दूज के अवसर पर बहनों को उपहार देने का अंदाज तेजी से बदल रहा है। अब पारंपरिक उपहारों के बजाय बहनों की पसंद और नाम के अनुसार तैयार किए जाने वाले व्यक्तिगत उपहारों की मांग बढ़ रही है। नाम लिखे हार, विशेष तस्वीरों वाले फ्रेम और आकर्षक उपहार संग्रह बाजार में लोगों की पसंद बन रहे हैं। बाजार में बहनों के नाम वाले स्वर्ण परत चढ़े हार, कंगन, विशेष मग, कुशन और तस्वीरों वाले प्रकाशयुक्त फ्रेम की मांग देखी जा रही है। सामाजिक माध्यमों के साथ-साथ ऑनलाइन खरीदारी मंचों पर भी ऐसे उपहारों के अनेक विकल्प उपलब्ध हैं।

उपहार संग्रह का चलन भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इनमें चॉकलेट, इत्र, त्वचा की देखभाल से जुड़े उत्पाद और आभूषणों को आकर्षक ढंग से सजाकर एक साथ दिया जा रहा है।

## सड़क हादसों में एक की मौत, मासूम समेत दो घायल

**गाजियाबाद, एजेंसी।**

अलग-अलग स्थानों पर सड़क हादसों में एक युवक की मौत हो गई, जबकि महिला और छह माह का मासूम बच्चा घायल हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना मसूरी क्षेत्र में आध्यात्मिक नगर चौकी के कट पर आठ नवंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे हुई।

थाना सिरोली, जिला बरेली के गांव गुरवा निवासी अमरीश मौर्य ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भाई शेर सिंह पत्नी के साथ गांव जाने के लिए कट पर खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार से आई पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में शेर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। अमरीश ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। उन्होंने पुलिस से फुटेज की जांच कर आरोपी चालक का पता लगाने की मांग की। घटना के संबंध में मसूरी पुलिस ने नौ नवंबर को मुकदमा दर्ज किया।

# लाल किला बम धमाके की पहली बरसी पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

**नई दिल्ली,एजेंसी।**

लाल किला बम धमाके की पहली बरसी पर मंगलवार को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए एक सभा का आयोजन किया गया। सभा में धमाके में जान गंवाने वालों के परिजनों और घायलों ने नम आंखों से अपने प्रियजनों को याद किया। परिजनों ने घटनास्थल पर फूल अर्पित किए और मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में कई परिजन अपने आंसू नहीं रोक पाए। साउथ एशियन फोरम फॉर पीपल अगेंस्ट टेरर के अध्यक्ष अशोक रंधावा ने की ओर से मांग की गई कि धमाके में मारे गए लोगों के परिवारों और घायलों को उचित एवं पर्याप्त मुआवजा दिया जाए।

जिन लोगों की गाड़ियां, ई-रिक्शा और अन्य वाहन धमाके में जलकर नष्ट हो गए, उन्हें भी उनके नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग भी उठाई गई। अशोक रंधावा ने कहा कि पीड़ितों को न्याय और राहत दिलाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में पीड़ितों को पहले सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखने की सलाह दी थी।

संगठन की ओर से कई बार सरकार को लिखित रूप में अपनी मांगें दी जा चुकी हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। एक साल बीत जाने के बावजूद पीड़ित परिवार न्याय, मुआवजे और सरकारी सहायता के लिए भटक रहे हैं। सरकार की ओर से कोई संतोषजनक सुनवाई नहीं हो रही है। यदि जल्द ही पीड़ितों की मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो हम दोबारा दिल्ली हाई कोर्ट का रुख करेंगे और उचित कानूनी कार्रवाई करेंगे।

# गुरुग्राम में अब हर 60 दिन में होगा ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला

**गुरुग्राम, एजेंसी।**

भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस ने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए बड़े और सख्त कदम उठाए हैं। ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान किसी भी ट्रैफिक पुलिस कर्मी, होमगार्ड या एसपीओ की संलिप्तता पाए जाने पर अब जोनल ऑफिसर (जेडओ) और ट्रैफिक इंस्पेक्टर (टीआई) की भी जिम्मेदारी तय होगी। साथ ही बॉडी वार्न कैमरा के बिना वाहन रुकवाने पर विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इस तरह के आदेश पुलिस आयुक्त शिवास कविराज की ओर से दिए गए हैं।

पुलिस आयुक्त शिबास कबिराज ने भ्रष्टाचार, लापरवाही, अवैध वसूली, अनुचित व्यवहार सहित किसी भी प्रकार के भ्रष्ट आचरण के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। अधिकारियों को आदेश देते हुए पुलिस आयुक्त शिवास कविराज ने कहा कि एसीपी स्तर के अधिकारी सीसीटीवी कंट्रोल रूम के माध्यम से भ्रष्टाचार निरोधी निगरानी करेंगे। साथ ही प्रत्येक 60 दिन के बाद स्वचालित कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से ट्रैफिक पुलिसकर्मियों का तबादला होगा।

सोशल मीडिया पर होमगार्ड द्वारा उपहार के नाम पर अवैध वसूली करने के संबंध में वायरल हुई वीडियो के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी होमगार्ड को गिरफ्तार करने के साथ ही गुरुग्राम पुलिस के सभी डीसीपी, एसीपी के माध्यम से ग्राउंड लेवल के पुलिसकर्मियों को सख्त आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त ने कहा कि भविष्य में इस प्रकार की किसी भी घटना की पुनरावृत्ति होने पर संबंधित क्षेत्र के जेडओ एवं टीआई की जवाबदेही भी निर्धारित की जाएगी।

पुलिस कंट्रोल रूम में एसीपी रैंक के अधिकारी सभी सीसीटीवी कैमरों की नियमित रूप से जांच एवं निगरानी सुनिश्चित करेंगे, ताकि ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी नजर रखी जा सके। यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान की कार्यवाही बॉडी वार्न कैमरे की निगरानी में करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे तथा वाहन चालकों एवं पुलिसकर्मियों दोनों के हित सुरक्षित रहें। सीपी शिवास कविराज ने ड्यूटी में पारदर्शिता बनाए रखने, किसी एक स्थान पर लंबे समय तक तैनाती से उत्पन्न होने वाली अनियमितताओं की संभावनाओं को कम करने तथा निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक 60 दिन में रैंडम कंप्यूटरीकृत ट्रांसफर की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को सीसीटीवी फुटेज का नियमित विश्लेषण करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा अनियमितता के सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

# प्रदूषण फैलाने वालों पर 17 दिन में लगाया 45.82 लाख रुपये जुर्माना

**गुरुग्राम, एजेंसी।**

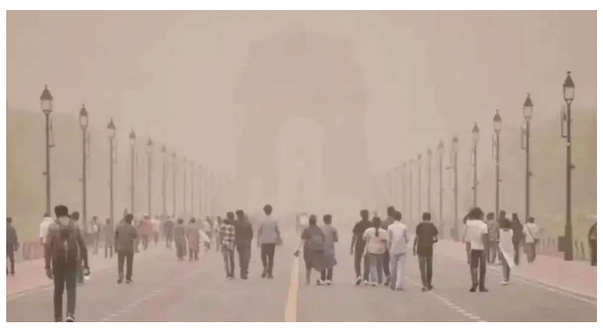
नगर निगम गुरुग्राम की प्रवर्तन टीमें प्रदूषण और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं। इसी कड़ी में 24 अक्टूबर से 10 नवंबर 2026 तक 17 दिन में विभिन्न प्रकार के उल्लंघनों पर कुल 634 चालान जारी किए गए। चालान काटकर 45,82,300 रुपये का जुर्माना लगाया गया। यह कार्रवाई शहर में स्वच्छता नियमों का पालन सुनिश्चित कराने और प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से की गई।

नगर निगम की प्रवर्तन टीमों ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग के मामलों में 177 चालान जारी किए। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के 88 और डस्ट मिटिगेशन नियमों की अवहेलना के 85 मामलों में कार्रवाई की गई। इसके अलावा कूड़ेदान उपलब्ध नहीं होने पर 80 चालान किए गए। खुले में कचरा जलाने के 54 मामलों में कार्रवाई की गई, जबकि पानी की बर्बादी करने वालों के खिलाफ भी 54 चालान जारी किए गए। निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) वेस्ट के नियमों का उल्लंघन करने पर 22 तथा निर्माण कार्य बंद करने के आदेशों की अवहेलना करने पर 11 चालान किए गए। निगम की कार्रवाई में बिना ढके निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहन, अवैध रूप से कचरा डालने, स्टॉर्म वाटर ड्रेन में अवैध कनेक्शन, खुले में शौच, सेप्टेज संबंधी उल्लंघन और अन्य स्वच्छता नियमों के मामले भी शामिल रहे।

एमसीजी की ओर से दावा किया गया है कि सडक़ों को धूल मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नियमित रोड स्वीपिंग, प्रमुख सडक़ों पर पानी का छिडक़ाव, सडक़ किनारों पर जमा मिट्टी को हटाने और धूल नियंत्रण के अन्य उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

# दिल्ली के प्रदूषण के लिए दीपावली के पटाखों को विलेन बनाना बंद कीजिए: सीटीआई

**नई दिल्ली,एजेंसी।**



चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने अधिकारियों से अपील की है कि दिल्ली के वायु प्रदूषण के लिए सिर्फ दीपावली के पटाखों को जिम्मेदार ठहराना बंद किया जाए। संगठन का कहना है कि इस समस्या के लिए सालभर वैज्ञानिक और संतुलित उपायों की जरूरत है, न कि ऐसे चुनिंदा प्रतिबंधों की जो व्यापारियों की रोजी-रोटी पर असर डालते हैं। एक बयान में सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा कि संगठन प्रदूषण के पूरी तरह खिलाफ है और दिल्ली के लिए साफ हवा चाहता है, लेकिन एक ही दिन इस्तेमाल होने वाले पटाखों को शहर के प्रदूषण के लिए दोषी ठहराना सही नहीं है। सीटीआई ने कहा, "प्रदूषण के लिए हमेशा पटाखा व्यापारियों और दीपावली के पटाखों को विलेन बनाने का फैशन बंद करो।" संगठन ने पराली जलाने की समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार और पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर काम करने की मांग की।

पटाखों पर प्रतिबंधों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए व्यापारिक संगठन ने पूछा कि क्या कोई भरोसेमंद और जवाबदेह संगठन यह गारंटी दे सकता है कि अगर पटाखों की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी जाए, तो अक्टूबर से जनवरी के बीच दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 को पार नहीं करेगा। सीटीआई ने कहा कि वह दिल्ली के अपने से जुड़े पटाखा व्यापारियों को अगले साल दुकानें न लगाने या पटाखे न बेचने के लिए मना सकता है। हालांकि, उसने सवाल किया कि क्या इस कदम से सर्दियों के महीनों में साफ हवा की गारंटी मिलेगी।

पटाखों को दिल्ली के प्रदूषण का मुख्य कारण बताने वाले तर्क पर सवाल उठाते हुए सीटीआई ने बताया कि 5, 6 और 7 नवंबर को शहर का एक्यूआई 350 से 400 के बीच रहा, जबकि पटाखे 8 नवंबर को फोड़े गए थे। संगठन ने तर्क दिया कि इससे साबित होता है कि पटाखे दिल्ली के प्रदूषण का मूल कारण नहीं हैं और उन पर दोष मढ़ना सबसे आसान तरीका है, जबकि अन्य कारणों को नजरअंदाज किया जा रहा है। व्यापारिक संगठन ने यह भी सवाल किया कि हर साल अक्टूबर से जनवरी के बीच प्रदूषण का स्तर क्यों बढ़ता है, जबकि मार्च से सितंबर के बीच स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रहती है।

सीटीआई के मुताबिक, इसका कारण पड़ोसी राज्यों में पराली जलाना है। संगठन ने कहा कि जब पराली जलाना शुरू होता है तो दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खराब हो जाती है और जब यह रुकता है तो सुधार होता है। उसने जोर दिया कि अधिकारियों को बार-बार दीपावली के पटाखों को निशाना बनाने के बजाय इस समस्या पर ध्यान देना चाहिए। प्रतिबंधों के आर्थिक असर को बताते हुए सीटीआई ने कहा कि देशभर में करीब 10 लाख लोग पटाखा उद्योग से जुड़े हैं, जिनमें शिवकाशी की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से लेकर दिल्ली के रिटेल व्यापारी तक शामिल हैं। संगठन ने कहा कि छोटे व्यापारी सालभर पूंजी लगाते हैं और दीपावली के आसपास के 15-20 दिनों में अपनी सालाना आय का बड़ा हिस्सा कमाते हैं। आखिरी समय में लगाए गए प्रतिबंधों से उनका निवेश फंस जाता है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान होता है।

# स्मार्ट सिटी में धूमधाम से की गई गोवर्धन पूजा

**फरीदाबाद,एजेंसी।**



औद्योगिक नगरी में मंगलवार को गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। महिलाओं ने घरों के आंगन में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने सामूहिक रूप से गोवर्धन की परिक्रमा कर घर-परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और रक्षा की कामना की। शहर के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही। विभिन्न धार्मिक स्थलों पर अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया।

वहीं, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं की ओर से शहर में 50 से अधिक स्थानों पर भंडारों का आयोजन किया गया। गोवर्धन पूजा को लेकर सुबह से ही घरों में तैयारियां शुरू हो गई थीं। महिलाओं ने गोबर से गोवर्धन पर्वत की छोटी-बड़ी आकृतियां बनाईं और उन्हें फूलों, रंगोली व पारंपरिक पूजन सामग्री से सजाया। इसके बाद रोली, चावल, दीपक, धूप और पकवानों के साथ विधिवत पूजा की गई। कई घरों में गोवर्धन पर्वत के साथ भगवान श्रीकृष्ण, गाय और बछड़े की आकृतियां भी बनाई गईं। परिवार के बुजुर्गों ने बच्चों को गोवर्धन पूजा का महत्व बताते हुए भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की कथा सुनाई।

शहर के प्रमुख मंदिरों में गोवर्धन पूजा के अवसर पर विशेष आयोजन किए गए। नीलम रेलवे रोड स्थित बांके बिहारी मंदिर, सैनिक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर और ओल्ड फरीदाबाद के पथवारी मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। मंदिरों में सुबह से ही भगवान के दर्शन के लिए लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। कई मंदिरों में अन्नकूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसरों में भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

गोवर्धन पूजा का उत्साह मंदिरों और पुराने रिहायशी इलाकों के साथ-साथ शहर की हाईराइज सोसायटियों में भी देखने को मिला। ग्रेटर फरीदाबाद की एसआरएस रेजिडेंसी, प्रिंसेस पार्क और प्रणायाम सोसायटी सहित कई आवासीय सोसायटियों में सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। शाम को सोसायटी के निवासी एकत्र हुए और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की। इसके बाद मानसी गंगा के प्रतीकात्मक स्वरूप की परिक्रमा करते हुए गोबर से बनाए गए गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की गई। इन आयोजनों में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

RNI.No DLHIN/25/A2841 स्वामी, प्रकाशक, संपादक देवेंद्र सिंह तोमर एवं मुद्रक रवि भारद्वाज मै. मारुती नंदन प्रिंटर्स एवं पब्लिशर, शक्ति कॉम्प्लेक्स 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110042 से मुद्रित एवं हॉउस नंबर 16/ 9980, गली नंबर-5, सराय रोहिल्ला न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005 से प्रकाशित।
संपादकीय कार्यालय - B4/265B केशव पुरम नई दिल्ली -110005। फोन-011-40106508 मोबाइल-9911466900/ 8076353913। Email.saahassamachardainik@gmail.com
संपादक देवेंद्र सिंह तोमर
इस अंक में प्रकाशित खबरों एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा नई दिल्ली के न्यायालय में होगा।

# दिल्ली में यमुना पर पहली बार क्रूज सेवा शुरू

**केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने 'नमो यमुना रिवर सफारी' सेवा का शुभारंभ किया। सोनोवाल और अन्य नेताओं ने क्रूज की सवारी भी की।**

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**




पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यहां यमुना नदी पर 'नमो यमुना रिवर सफारी' सेवा का शुभारंभ किया जिसके तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किलोमीटर की राउंड ट्रिप में पर्यटक क्रूज यात्रा और विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मंत्री प्रवेश वर्मा और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के बाद श्री सोनोवाल, श्रीमती गुप्ता और अन्य नेताओं ने यमुना नदी में क्रूज की सवारी भी की।

सोनोवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मां यमुना के आशीर्वाद से दिल्ली में पहली बार इस तरह की पहल संभव हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पूरी टीम ने अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने में सहयोग किया है। सोनिया विहार से जगतपुर तक की यात्रा में दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक तीन से चार घंटे तक विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

परियोजना को साकार करने में मंत्रालय को मिले पूरे सहयोग के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व से ही यह काम पूरा हो पाया है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री ने पदभार संभालने के बाद देश के अंतर्देशीय जलमार्गों के अध्ययन और अनुसंधान की पहल की थी। पहले नदी क्रूज के लिए यूरोप और समुद्री क्रूज के लिए मियामी का उदाहरण दिया जाता था तथा यह धारणा थी कि भारत में ऐसी परियोजनाएं संभव नहीं हैं जबकि देश में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदियां हैं।

भारत ने दुनिया का सबसे लंबा नदी क्रूज पूरा कर वैश्विक मानक स्थापित किया है, जिसने 3,200 किलोमीटर की यात्रा में 27 नदी प्रणालियों को पार किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना में शुरू हुई 'नमो यमुना सफारी' केवल क्रूज, सफारी या नौका यात्रा नहीं बल्कि मां यमुना के प्रति लोगों की गहरी आस्था, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है। यह दिल्लीवासियों के लिए नया अनुभव है जिसके लिए पहले उन्हें दूसरे शहरों और नदियों तक जाना पड़ता था।

उन्होंने कहा कि यहां लाइट एंड साउंड शो, मनोरंजन गतिविधियों तथा बच्चों और वयस्कों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना सफारी का आनंद लेने और अपने बच्चों को पवित्र यमुना तथा प्रकृति से परिचित कराने का आह्वान किया। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से दिल्ली में यातायात की भीड़ कम करने के लिए एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की गयी हैं।

इसके तहत बड़े फ्लाईओवर बनाये गये हैं और नये एक्सप्रेसवे तैयार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 21 महीनों में पर्यावरण के क्षेत्र में भी काम किया है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के साथ त्योहार मनाने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दिल्ली लगातार आगे बढ़ रही है।

इस दौरान राज्य सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता यमुना रिवरफ्रंट का विकास करना है। जो पूरी नदी की सफाई के बाद ही संभव है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 18-19 महीनों में दिल्ली से गुजरने वाली यमुना की 52 किलोमीटर लंबी धारा के आधे हिस्से की सफाई की है।

## बात मुद्दे की



आलोक गौड़

# नदी की लाश पर पर्यटन का कारोबार!

**नई दिल्ली।** सरकारों की प्राथमिकताएं भी कभी कभी वाकई कमाल की होती हैं। जिस नदी को बचाने में उनकी नीतियां, योजनाएं और दावे दशकों से नाकाम साबित हो रहे हों, उसी नदी में उन्हें पर्यटन का कारोबार खड़ा करने की संभावनाएं दिखाई देने लगती हैं। दिल्ली की यमुना इसका ताजा उदाहरण है। नदी साफ नहीं हुई, पानी पीने लायक तो दूर, नदी के प्राकृतिक जीवन के भी अनुकूल नहीं बन पाया, लेकिन सरकार को उसमें ₹नमो सफारी₹ शुरू करने की सूझ गई है। सवाल यह है कि जब यमुना खुद अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है तो उसके ऊपर मनोरंजन का नया प्रयोग किसके लिए और किस कीमत पर किया जा रहा है? यहां मुद्दा ₹नमो सफारी₹ के नाम का नहीं है। मुद्दा सरकार की सोच का है। क्या किसी नदी की उपयोगिता अब इस बात से तय होगी कि उससे कितना पर्यटन कारोबार पैदा किया जा सकता है? क्या नदियां केवल सरकारों के लिए नई परियोजनाओं, उद्घाटनों और प्रचार का अवसर बनकर रह गई हैं? और क्या पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी अब केवल भाषणों और सरकारी विज्ञापनों तक ही सीमित रह गई है?

यमुना को लेकर दिल्ली की जनता ने बहुत कुछ देखा है। सफाई के नाम पर घोषणाएं, बजट, योजनाएं, निरीक्षण और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप। दिल्ली की हर सरकार ने यमुना को साफ करने का संकल्प लिया, लेकिन नदी की हालत ने हर बार उन संकल्पों की पोल खोल दी। नालों का गंदा पानी लगातार नदी में पहुंचता रहा। प्रदूषण का बोझ बढ़ता रहा। नदी की प्राकृतिक व्यवस्था बिगड़ती रही। इसके बावजूद सरकारें अपनी उपलब्धियों का हिसाब देने के बजाय नई-नई परियोजनाओं के जरिए अपनी पीठ थपथपाने का रास्ता खोजती रहीं।

अब ₹नमो सफारी₹ को लेकर पर्यावरणविदों, जल मंत्रालय के पूर्व अधिकारियों, शोधकर्ताओं और नागरिक संगठनों की आपत्तियां सामने आ रही हैं। इन आपत्तियों को राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय सरकार को उनका वैज्ञानिक आधार पर जवाब देना चाहिए। आखिर विशेषज्ञों की चिंता क्या है? परियोजना से नदी के प्राकृतिक प्रवाह, जलीय जीवन और पर्यावरणीय संतुलन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या इसका स्वतंत्र पर्यावरणीय आकलन हुआ है? क्या उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है? क्या स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण विशेषज्ञों को विश्वास में लिया गया है?

सरकार के पास यदि इन सवालों के संतोषजनक जवाब हैं तो उन्हें जनता के सामने रखने में हर्ज क्या है? लेकिन अगर जवाब देने के बजाय परियोजना को विकास और पर्यटन का खूबसूरत पैकेज बताकर विरोध की आवाजों को दबाने की कोशिश होगी तो संदेह और गहरा होगा।

विडंबना देखिए, जिस यमुना के प्रदूषण को नियंत्रित करने में सरकारें नाकाम रही हैं, उसी यमुना में पर्यटन की संभावनाएं तलाशने का उत्साह दिखाई दे रहा है। यह वैसा ही है जैसे किसी बीमार व्यक्ति का इलाज करने के बजाय उसके कमरे को सजाने और वहां मनोरंजन का इंतजाम करने की तैयारी कर ली जाए। बीमारी जस की तस रहे, लेकिन बाहर से सब कुछ चमकदार दिखाई दे!

सरकार को यह समझना होगा कि नदी कोई सरकारी संपत्ति नहीं है, जिसे अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं के अनुसार इस्तेमाल किया जा सके। नदी का अपना पारिस्थितिकी तंत्र है। उसके साथ होने वाला हर प्रयोग केवल पर्यटन या कारोबार का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा मामला है।

पर्यटन को बढ़ावा देना कोई बुरी बात नहीं है। यमुना के किनारे पर्यटन विकसित करना भी गलत नहीं है। लेकिन नदी को पहले जीवित तो रहने दीजिए। उसका पानी साफ कीजिए। उसमें गिरने वाले गंदे नालों पर रोक लगाइए। प्राकृतिक प्रवाह बहाल कीजिए। जलीय जीवन के अनुकूल परिस्थितियां तैयार कीजिए। उसके बाद पर्यटन की संभावनाओं पर विचार कीजिए। विकास का रास्ता नदी को नुकसान पहुंचाकर नहीं, नदी को बचाकर निकलना चाहिए।

एक और सवाल है। अगर पर्यावरण विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं की आपत्तियों के बावजूद सरकार अपनी परियोजना आगे बढ़ाने पर अड़ी रहती है तो भविष्य में होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या तब भी जांच समिति बनेगी? क्या तब भी अधिकारी रिपोर्ट मांगेंगे? क्या तब भी सरकार यह कहकर पल्ला झाड़ लेगी कि परियोजना तो अच्छे उद्देश्य से शुरू की गई थी?

हमारे यहां सरकारी व्यवस्था की सबसे बड़ी समस्या यही है कि किसी परियोजना की शुरुआत में उत्सव मनाया जाता है और उसके दुष्परिणाम सामने आने पर जिम्मेदारी तय करने के लिए समिति बना दी जाती है। यमुना के मामले में यह प्रयोग दोहराया नहीं जाना चाहिए।

सरकार को याद रखना चाहिए कि नदी का अस्तित्व किसी राजनीतिक नारे से बहुत बड़ा है। उसका पानी किसी ब्रांड का प्रचार माध्यम नहीं है। उसकी धारा किसी सरकार की निजी उपलब्धि नहीं है। यमुना किसी एक दल, सरकार या नेता की नहीं, यह इस देश की न केवल प्राकृतिक धरोहर है, बल्कि दिल्ली की जीवनदायिनी रेखा है।

सवाल बहुत सीधा है। दिल्ली को एक साफ और जीवित यमुना चाहिए या ऐसी नदी, जिसके नाम पर सफारी और पर्यटन की योजनाएं तो बनें, लेकिन जिसमें नदी होने के प्राकृतिक गुण ही खत्म होते जाएं?

सरकार को पहले इस सवाल का जवाब देना चाहिए। क्योंकि नदी बचाना सरकार की जिम्मेदारी है, नदी को मनोरंजन का साधन बनाना उसकी उपलब्धि नहीं।

यमुना को पर्यटन का तमाशा बनाने से पहले कम से कम उसे नदी तो बना दीजिए!

# दिल्ली में लोक आस्था के महापर्व 'छठ' पर बड़ा ऐलान

**16 नवंबर को सरकारी अवकाश घोषित, प्रशासनिक दफ्तर और उपक्रम रहेंगे बंद।**

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**



राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोक आस्था के महान पर्व 'छठ' के अवसर पर एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए 16 नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, इस वर्ष सूर्य षष्ठी यानी छठ पूजा के पावन पर्व पर 16 नवंबर (सोमवार) को राजधानी में सरकारी अवकाश रहेगा। उपराज्यपाल के आदेशानुसार जारी यह निर्देश दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों पर पूरी तरह लागू होगा, जिससे कर्मचारी अपने परिवार के साथ इस पर्व को मना सकें।

दिल्ली में उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के पूर्वांचल मूल के करोड़ों नागरिक निवास करते हैं, जिनके लिए 'छठ पूजा' वर्ष का सबसे बड़ा और पवित्र त्योहार माना जाता है। इस चार दिवसीय महापर्व के दौरान व्रती कठिन उपवास रखकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं। 16 नवंबर को अवकाश घोषित होने से राजधानी के सरकारी महकमों में काम करने वाले कामगारों और कर्मचारियों को पूजा-अर्चना तथा घाटों पर जाकर अनुष्ठान करने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आएगी। सरकार के इस जनहितैषी कदम से पूर्वांचल समुदाय के लोगों में भारी उत्साह और प्रसन्नता का माहौल है, और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने इसके लिए आभार जताया है।

इस वर्ष दिल्लीवासियों के लिए एक विशेष आकर्षण बाहरी रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के किनारे तैयार किया जा रहा 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इस घाट के दोनों ओर पक्की सीढ़ियां और सीमेंट की सड़कें बनाई गई हैं ताकि आवागमन सुगम हो सके। आगामी 12 नवंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सिंगलपुर गांव के समीप आयोजित एक विशेष समारोह में इस विशाल छठ घाट का उद्घाटन करेंगे। सरकार और प्रशासन द्वारा की जा रही इन व्यापक तैयारियों से इस बार राजधानी में छठ का पर्व बेहद भव्य और ऐतिहासिक रूप से संपन्न होने की उम्मीद है।



नई दिल्ली में मंगलवार को सोनिया विहार में यमुना क्रूज सेवा के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी, राज्य मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं अन्य। क्रूज सोनिया विहार से जगतपुर के बीच लगभग 4-5 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। प्रत्येक यात्रा करीब 40 मिनट की होगी। (फोटो. सुनील मल्होत्रा)

# छठ घाटों पर सुविधाएं दे सरकार, विरोध रोकने की सलाह न दे: देवेंद्र यादव

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों को विरोध प्रदर्शन से रोकने के बजाय सरकार को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि छठ घाटों पर उचित व्यवस्था नहीं की गई तो कांग्रेस सरकार की विफलताओं के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी। देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में दिवाली से ही वायु प्रदूषण गंभीर बना हुआ है और यमुना का पानी भी प्रदूषित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए हैं। उन्होंने दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के उस बयान पर भी सवाल उठाए, जिसमें राजनीतिक दलों से 14 से 16 नवंबर तक छठ महापर्व के दौरान विरोध प्रदर्शन नहीं करने की अपील की गई थी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस पर्व पर यमुना में स्वच्छ जल उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की है। कांग्रेस शासनकाल में छठ घाटों के निर्माण और पूजा की तैयारियां पहले से की जाती थीं, लेकिन अब श्रद्धालुओं को प्रदूषित जल में पूजा करने की मजबूरी का सामना करना पड़ रहा है।

यादव ने कहा कि आउटर रिंग रोड से इंदरलोक तक मुनक नहर के किनारे 11 किलोमीटर लंबे छठ घाट का निर्माण तभी सार्थक होगा, जब वहां स्वच्छ पानी, सफाई, कपड़े बदलने के कमरे, मोबाइल शौचालय और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध हो।

# प्रदूषण मामले में भाजपा सरकार पंजाबियों को कर रही बदनाम: आप

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**



आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर आरोप लगाया है वह अपनी नाकामी छिपाने के लिए पंजाब के किसानों और पंजाबियों को बदनाम कर रही है।

भारद्वाज ने केंद्र सरकार की एजेंसी 'सफर' के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि 09 नवंबर को दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का योगदान लगभग शून्य था। उन्होंने कहा कि दिवाली से पहले यह योगदान पांच प्रतिशत था, लेकिन दिवाली के दिन हवा की दिशा बदलने के कारण पंजाब से आने वाला धुआं दिल्ली नहीं पहुंच सकता था।

उन्होंने कहा कि सफर केंद्र सरकार की संस्था है, जो दिल्ली में प्रदूषण के विभिन्न स्रोतों का आकलन करती है। इसके आंकड़ों के अनुसार दिवाली से एक रात पहले दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं का योगदान पांच प्रतिशत था , हालांकि इसमें यह स्पष्ट नहीं था कि धुआं पंजाब, हरियाणा या उत्तर प्रदेश में पराली जलाने से आया था।

उन्होंने दावा किया कि 09 नवंबर को पराली के धुएं का योगदान नगण्य यानी लगभग शून्य दर्ज किया गया। ऐसे में दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा की ओर से पंजाब की पराली को प्रदूषण का कारण बताना तथ्यों के विपरीत है।

आप प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सफर की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक दिवाली के आसपास पूर्वी हवाएं चल रही थीं। इन हवाओं के कारण पंजाब की ओर से उठने वाला धुआं दिल्ली आने के बजाय पश्चिम दिशा में पाकिस्तान की ओर जा सकता था। उन्होंने सवाल किया कि जब हवा की दिशा दिल्ली की ओर नहीं थी, तो भाजपा नेता पंजाब में पराली जलाने को लेकर दिल्ली के प्रदूषण के लिए जिम्मेदार क्यों ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी सरकार की विफलताओं का ठीकरा पंजाब के किसानों पर फोड़ने के बजाय दिल्ली में प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने दावा किया कि पराली का धुआं हवा के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में दो से तीन दिन का समय ले सकता है। इसलिए दिवाली के दिन पराली जलने की घटनाओं को उसी दिन दिल्ली के प्रदूषण से जोड़ना उचित नहीं है। उन्होंने भाजपा नेताओं पर विज्ञान और भौगोलिक तथ्यों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदूषण के कारणों का आकलन वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के जरिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले साल की तरह इस बार भी दिवाली की रात बड़ी संख्या में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन बंद रहे, जिससे प्रदूषण का वास्तविक स्तर सामने नहीं आ सका।

# दिल्ली-एनसीआर में मौसम का बदला मिजाज: रातें होने लगी ठंडी

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**



दिल्ली समेत पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मौसम का मिजाज पल-पल बदल रहा है। पिछले कुछ दिनों से दिन में धूप और गर्मी का एहसास होने के बावजूद, रात के समय ठंडक तेजी से बढ़ने लगी है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। तापमान में इस गिरावट के साथ ही सुबह के समय घना कोहरा भी देखने को मिल सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से पर जारी स्थानीय मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली में 10 नवंबर से 15 नवंबर तक का पूर्वानुमान बताता है कि मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन मध्यम स्तर का कोहरा परेशान करेगा। 10 और 11 नवंबर को अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम तापमान 15 डिग्री रहने की संभावना है।

हवा में नमी की मात्रा भी काफी अधिक रहेगी, जो सुबह के समय 95 से 98 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। 12 नवंबर से तापमान में मामूली बढ़ोतरी होकर अधिकतम 29 डिग्री तक जा सकता है, जबकि न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री के बीच बना रहेगा। मौसम में इस बदलाव के साथ ही दिल्ली-एनसीआर की हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) में भी कुछ राहत देखने को मिली है।

लंबी छुट्टियों के चलते सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होना, ट्रैफिक कम होना और हवा की गति तेज होना प्रदूषण में आंशिक सुधार के मुख्य कारण रहे हैं। इसके चलते कई इलाके 'रेड जोन' (बहुत खराब) से निकलकर 'ऑरेंज जोन' (खराब) में पहुंच गए हैं। हालांकि, अभी भी कई इलाकों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में एक्यूआई अभी भी 300 के पार यानी खतरनाक स्तर पर बना हुआ है।

दिल्ली के जहांगीरपुरी में एक्यूआई 381, पंजाबी बाग में 348, पूसा में 392, आर के पुरम में 329, रोहिणी में 301, शादीपुर में 312 और सिरीफोर्ट में 365 दर्ज किया गया है, जो कि 'बहुत खराब' श्रेणी में आते हैं। वहीं, ओखला फेज-2 (276), पटपड़गंज (281) और पूसा में 269 एक्यूआई दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में है। नोएडा की बात करें तो यहां भी हालात पूरी तरह से सुधरे नहीं हैं। सेक्टर-110 में एक्यूआई 377, सेक्टर-150 में 354, सेक्टर-39 में 366, और सेक्टर-62 में 348 रहा, जो चिंता का विषय है। हालांकि, सेक्टर-1 में 245, सेक्टर-116 में 211 और सेक्टर-125 में 269 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया, जो कि ऑरेंज जोन में हैं।

गाजियाबाद की स्थिति में भी मिली-जुली तस्वीर देखने को मिल रही है। यहां इंदिरापुरम में एक्यूआई 147 दर्ज किया गया, जो कि मध्यम श्रेणी में है। गोविंदपुरम (218), लोनी (245), संजय नगर (269) और वसुंधरा (272) में हवा की गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में है। वहीं, न्यू तहसील-लोनी (289) और वेद विहार-लोनी (291) में भी स्थिति खराब बनी हुई है।

गाजियाबाद के वेव सिटी में एक्यूआई 313 दर्ज किया गया, जो इसे रेड जोन में बनाए हुए है।

# गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है: विजेंद्र गुप्ता

**नई दिल्ली,साहस समाचार।**



दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इस्कॉन मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश दक्षिण दिल्ली में पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व मानवता को प्राकृतिक पर्यावरण के सम्मान एवं संरक्षण के अपने दायित्व का स्मरण कराता है तथा अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है

मंदिर प्रवास के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों एवं अन्नकूट उत्सव में भाग लिया, भगवान को अर्पित किए गए भव्य भोग के दर्शन किए तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं भक्तिमय अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ इस पावन अवसर के उत्सव में सहभागिता की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पर्व आस्था, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता के बंधनों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को करुणा, सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने इस्कॉन कम्युनिकेशंस के निदेशक बृज नंदन दास को दिल्ली विधानसभा की आधिकारिक पत्रिका 'विधान चेतना' भेंट की। यह पहल आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ विधानसभा के विधायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान को साझा करने के महत्व को दर्शाती है। अध्यक्ष ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं से भी संवाद किया तथा आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की।

## संपादकीय



देवेंद्र सिंह तोमर

# सोनिया गांधी का संस्मरण: यादों से इतिहास नहीं बदलता!

किसी राजनीतिक नेता का संस्मरण केवल उसके जीवन की कहानी नहीं होता, वह अपने समय, सत्ता और राजनीतिक फैसलों का भी दस्तावेज होता है। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस पुस्तक में आपातकाल के दौर में संजय गांधी की भूमिका, वर्ष 2004 में प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने के फैसले और राहुल गांधी से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख चर्चा के केंद्र में है। लेकिन इन विषयों को केवल एक परिवार की निजी स्मृतियों के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इनके साथ भारतीय लोकतंत्र का इतिहास और कांग्रेस की राजनीतिक जवाबदेही भी जुड़ी हुई है।

सबसे महत्वपूर्ण सवाल आपातकाल का है। 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू हुआ और 21 मार्च 1977 तक नागरिक स्वतंत्रताओं, प्रेस की आजादी और राजनीतिक विरोध के अधिकार पर गंभीर प्रतिबंध रहे। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां हुईं, प्रेस सेंसरशिप लागू हुई और सत्ता के केंद्रीकरण ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित किया। इस दौर में संजय गांधी की भूमिका लगातार विवादों में रही। नसबंदी अभियान और दिल्ली में झुग्गी-बस्तियों के जबरन विस्थापन जैसे प्रसंग आज भी उस शासनकाल की आलोचना के प्रमुख आधार हैं।

ऐसे में सोनिया गांधी के संस्मरण में संजय गांधी को लेकर प्रस्तुत दृष्टिकोण महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल है। क्या किसी पारिवारिक सदस्य की स्मृतियां उस दौर की राजनीतिक जिम्मेदारियों का पूरा हिसाब दे सकती हैं? आपातकाल किसी एक परिवार का निजी अनुभव नहीं था। यह करोड़ों नागरिकों के अधिकारों और लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़ा राष्ट्रीय संकट था। इसलिए संजय गांधी की भूमिका का मूल्यांकन निजी संबंधों से अलग होकर ऐतिहासिक दस्तावेजों, सरकारी निर्णयों और प्रभावित लोगों के अनुभवों के आधार पर होना चाहिए। लोकतंत्र में रिश्ते सम्मान के पात्र हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक जवाबदेही से ऊपर नहीं।

दूसरा बड़ा प्रसंग वर्ष 2004 का है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की जीत के बाद सोनिया गांधी के प्रधानमंत्री बनने की संभावना सबसे अधिक थी। लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को इस जिम्मेदारी के लिए आगे किया। कांग्रेस ने इसे त्याग और सिद्धांत का फैसला बताया, जबकि राजनीतिक विश्लेषकों ने इसके पीछे गठबंधन की परिस्थितियों, विदेशी मूल को लेकर उठे विवाद और संभावित राजनीतिक चुनौतियों को भी महत्वपूर्ण माना।

इस फैसले को केवल त्याग की राजनीति कहकर समाप्त कर देना भी सही नहीं होगा और इसे महज राजनीतिक रणनीति बताकर खारिज करना भी उचित नहीं है। वास्तविकता यह है कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया, लेकिन कांग्रेस और यूपीए सरकार के राजनीतिक नेतृत्व में उनकी भूमिका बेहद प्रभावशाली बनी रही। डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, जबकि सोनिया गांधी यूपीए अध्यक्ष के रूप में गठबंधन की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र थीं। इस व्यवस्था ने भारतीय राजनीति में सत्ता के औपचारिक और राजनीतिक केंद्रों के बीच संबंधों पर नई बहस को जन्म दिया। इसलिए 2004 के फैसले का निष्पक्ष मूल्यांकन करते समय पद का त्याग और सत्ता में प्रभाव—दोनों पहलुओं को देखना होगा।

तीसरा विषय राहुल गांधी से जुड़ा है। मां के संस्मरण में बेटे के व्यक्तित्व, संघर्ष और राजनीतिक यात्रा का भावनात्मक पक्ष स्वाभाविक रूप से सामने आ सकता है। लेकिन राहुल गांधी का मूल्यांकन केवल पारिवारिक अनुभवों से नहीं किया जा सकता। उनकी राजनीतिक यात्रा, नेतृत्व क्षमता, संगठन पर पकड़, चुनावी प्रदर्शन और विपक्ष की राजनीति में उनकी भूमिका को स्वतंत्र कसौटियों पर परखना होगा। किसी नेता की नीयत और निजी संघर्ष महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोकतांत्रिक राजनीति में अंततः उसके काम और परिणाम भी मायने रखते हैं।

# कैंसर के महंगे इलाज पर मोदी सरकार का निर्णायक वार



डॉ. मयंक चतुर्वेदी

*स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार का यह हस्तक्षेप बताता है कि गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से सुलभ बनाने के लिए दवा बाजार के व्यापारिक मुनाफे पर नियंत्रण भी उतना ही जरूरी है जितना चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार। एक तरह से देखा जाए तो देश में आधुनिक कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली कई दवाएं इतनी महंगी हैं कि सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए उनका नियमित इस्तेमाल कठिन हो जाता है।*

जिस कैंसर के इलाज में महंगी दवाओं का खर्च अक्सर परिवारों की जीवनभर की जमा पूंजी तक खत्म कर देता है, उसी दवा बाजार के मुनाफे पर केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा प्रहार किया है। वस्तुतः स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार का यह हस्तक्षेप बताता है कि गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से सुलभ बनाने के लिए दवा बाजार के व्यापारिक मुनाफे पर नियंत्रण भी उतना ही जरूरी है जितना चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार। एक तरह से देखा जाए तो देश में आधुनिक कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली कई दवाएं इतनी महंगी हैं कि सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए उनका नियमित इस्तेमाल कठिन हो जाता है। ऐसे में मोदी सरकार ने दवा की कीमतों में कमी लाने के लिए सीधे उस व्यवस्था पर हस्तक्षेप किया है, जहां निर्माता से लेकर वितरक और खुदरा विक्रेता तक जुड़ने वाला व्यापारिक लाभ अंतिम कीमत को प्रभावित करता है। केंद्र सरकार ने 1,364 एंटी-कैंसर दवा फॉर्मूलेशन की कीमतों में भारी कटौती करते हुए कुछ दवाओं के दाम 96.45 प्रतिशत तक घटा दिए हैं। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 एंटी-कैंसर दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर 30 प्रतिशत की अधिकतम सीमा निर्धारित की है।

वस्तुतः ट्रेड मार्जिन का आशय निर्माता से दवा वितरक तक पहुंचने वाली कीमत और मरीज को बेची जाने वाली खुदरा कीमत के बीच के अंतर से है। इस अंतर में वितरण और खुदरा कारोबार से जुड़े व्यापारिक लाभ शामिल होते हैं। कई दवाओं के मामले में यही अंतर अंतिम कीमत को काफी महंगा बना देता है। नई व्यवस्था के तहत इन दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य मार्च 2026 के औसत वितरक मूल्य को आधार बनाकर निर्धारित किया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में पारदर्शिता लाना और मरीजों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कम करना है। अब एनपीपीए के आंकड़े इस फैसले के व्यापक प्रभाव को स्पष्ट करते हैं। 85 दवा कंपनियों ने 121 दवाओं से संबंधित 1,364 एंटी-कैंसर फॉर्मूलेशन की संशोधित कीमतों की जानकारी दी है। इनमें 679 ब्रांड ऐसे हैं, जिनकी कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है। सबसे बड़ी कटौती 96.45 प्रतिशत दर्ज की गई है। बेवेसिजुमैब 100 एमजी इंजेक्शन के ब्रांड ब्रिक्स्टा की कीमत 25,995 रुपये से घटाकर 3,318 रुपये कर दी गई है। इसी औषधीय घटक वाले रिलायंस लाइफ साइंसेज के बेवासीरेल की कीमत 24,079 रुपये से घटकर 3,985 रुपये रह गई है। प्रोस्टेट कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एबिराटेरोन एसीटेट 250 एमजी टैबलेट के ब्रांड एबिरोन की कीमत 41,250 रुपये से घटाकर 3,218.23 रुपये कर दी गई है। स्तन कैंसर के उपचार में उपयोगी फुलवेस्ट्रेंट इंजेक्शन के ब्रांड फासनॉर्म का अधिकतम खुदरा मूल्य 30,421.87 रुपये से घटकर 3,671.73 रुपये हो गया है।



*मरीज दवा के पैक पर छपी संशोधित एमआरपी देख सकते हैं। 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप और एनपीपीए की वेबसाइट nppa.gov.in पर भी कीमतों की पुष्टि की जा सकती है। किसी मेडिकल स्टोर या अस्पताल की फार्मेसी द्वारा निर्धारित एमआरपी से अधिक राशि वसूलने पर 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके लिए एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-111-255 भी उपलब्ध है। वस्तुत: इस मामले में कहना यही होगा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज और उसका परिवार पहले ही शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कठिन दौर से गुजरता है।*

इसी प्रकार रक्त कैंसर के उपचार में इस्तेमाल होने वाली एजासिटिडीन इंजेक्शन की कीमत 7,790 रुपये से घटाकर 1,397 रुपये कर दी गई है। इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसके दायरे में आधुनिक कैंसर उपचार में इस्तेमाल होने वाली कई महंगी दवाएं शामिल हैं। इनमें पेम्ब्रोलिजुमैब, दुरवालुमैब और ओसिमर्टिनिब जैसी दवाएं प्रमुख हैं। इनका उपयोग रोग की प्रकृति और मरीज की चिकित्सकीय स्थिति के अनुसार विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में किया जाता है।

इसके अतिरिक्त बेवेसिजुमैब, डेनोसुमैब और पेगफिलग्रास्टिम जैसी दवाओं को भी मूल्य नियंत्रण के दायरे में लाया गया है। बेवेसिजुमैब का इस्तेमाल कोलोन, ओवरी और सर्वाइकल कैंसर सहित विभिन्न कैंसर के उपचार में किया जाता है। डेनोसुमैब का उपयोग हड्डियों से जुड़ी जटिलताओं के प्रबंधन में और पेगफिलग्रास्टिम का इस्तेमाल कीमोथेरेपी के दौरान श्वेत रक्त कोशिकाओं में कमी से बचाव के लिए किया जाता है। सूची में पेटेंट वाली दवाओं को शामिल करना भी महत्वपूर्ण है। इससे आधुनिक उपचार पद्धतियों में इस्तेमाल होने वाली महंगी दवाओं के खुदरा मूल्य पर नियंत्रण का दायरा विस्तृत हुआ है।

वैसे कैंसर की दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर नियंत्रण की शुरुआत मोदी सरकार के रहते हुए वर्ष 2019 में हुई थी। उस समय एनपीपीए ने 42 गैर-अनुसूचित एंटी-कैंसर दवाओं के व्यापारिक मार्जिन को 30 प्रतिशत तक सीमित किया था। इसके बाद 526 ब्रांडों की कीमतों में कमी दर्ज की गई थी। अब वर्ष 2026 में सरकार ने इस व्यवस्था का विस्तार करते हुए 137 दवाओं को इसके दायरे में शामिल किया है। वस्तुतः यह कदम भारत की व्यापक औषधि मूल्य नियंत्रण नीति से भी जुड़ा है। ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर (डीपीसीओ), 2013 के तहत आवश्यक औषधियों की अधिकतम कीमत निर्धारित करने और अन्य दवाओं के मूल्य की निगरानी का प्रावधान है। राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची 2022 में 388 औषधियां शामिल हैं, जिनमें 63 कैंसर-रोधी दवाएं हैं। इन अनुसूचित दवाओं की कीमतें सरकार द्वारा निर्धारित की जाती हैं। नई ट्रेड मार्जिन व्यवस्था गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर भी मूल्य नियंत्रण का प्रभाव बढ़ाती है। इसके साथ प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं कम कीमतों पर उपलब्ध कराने का प्रयास भी जारी है। इन पहलों का साझा उद्देश्य दवाओं की कीमतों में अंतर कम करना और आम नागरिकों के लिए उपचार की आर्थिक पहुंच बढ़ाना है।

दवाओं की कीमतों में कटौती के साथ उनकी उपलब्धता और सरकारी आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन भी महत्वपूर्ण है। संशोधित कीमतें लागू होने के बाद दवा कंपनियों को नई मूल्य सूची वितरकों, मेडिकल स्टोर और अस्पतालों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों की फार्मेसी को भी संशोधित एमआरपी प्रदर्शित करनी होगी। राज्य औषधि नियंत्रकों को आदेश के अनुपालन की निगरानी का दायित्व सौंपा गया है। दवा कंपनियों से उत्पादन और आपूर्ति का मौजूदा स्तर बनाए रखने को भी कहा गया है, ताकि मूल्य कटौती के बाद बाजार में दवाओं की उपलब्धता प्रभावित होने की आशंका पैदा न हो।

मरीज दवा के पैक पर छपी संशोधित एमआरपी देख सकते हैं। 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप और एनपीपीए की वेबसाइट nppa.gov.in पर भी कीमतों की पुष्टि की जा सकती है। किसी मेडिकल स्टोर या अस्पताल की फार्मेसी द्वारा निर्धारित एमआरपी से अधिक राशि वसूलने पर 'फार्मा जन समाधान' पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके लिए एनपीपीए की हेल्पलाइन 1800-111-255 भी उपलब्ध है।

वस्तुतः इस मामले में कहना यही होगा कि कैंसर के खिलाफ लड़ाई में मरीज और उसका परिवार पहले ही शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से कठिन दौर से गुजरता है। ऐसे समय में हजारों और कई मामलों में लाखों रुपये की दवाओं का खर्च कम होना किसी परिवार के लिए बड़ी राहत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह फैसला स्वास्थ्य नीति को आम आदमी की आर्थिक जरूरतों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। दवा कंपनियों के व्यापारिक मार्जिन पर सीमा तय करके सरकार ने स्पष्ट किया है कि जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों के निर्धारण में मरीजों के हित और उनकी आर्थिक क्षमता को प्राथमिकता मिलनी ही चाहिए। सो, सरकार उस प्राथमिकता को केंद्र में रखकर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य कर रही है।

# एक तिलक, हजारों भावनाएं और भाई दूज का अनमोल रिश्ता



योगेश कुमार गोयल



पंचदिवसीय दीपोत्सव धनतेरस से शुरू होता है और इसका समापन भाई दूज के साथ ही होता है। भाई दूज पर बहनें अपने भाई के माथे पर सौभाग्य का तिलक करती हैं और उनके लिए सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। हर साल यह पर्व कार्तिक शुक्ल द्वितीया तिथि को और आमतौर पर दीवाली से ठीक दो दिन बाद ही मनाया जाता है लेकिन इस वर्ष भाई दूज की तारीख को लेकर काफी भ्रम की स्थिति बरकरार रही है। कोई 10 नवंबर तो कोई 11 नवंबर को भाई दूज बता रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल द्वितीया तिथि 10 नवंबर को दोपहर 2 बजे शुरू हुई है और इसका समापन 11 नवंबर को दोपहर 3 बजकर 53 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार, 10 नवंबर को उदया तिथि नहीं मिल रही है, इसलिए भाई दूज का पर्व 11 नवंबर को ही मनाया जाएगा। भाई दूज पर्व को 'यम द्वितीया' व 'भ्रातृ द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। बहुत से भाई इस दिन सौभाग्य तथा आयुष की प्राप्ति के लिए इस दिन यमुना अथवा अन्य पवित्र नदियों में साथ-साथ स्नान भी करते हैं। भैया दूज मनाने के संबंध में कई किवंदतियां प्रचलित हैं। एक कथा यमराज और उनकी बहन यमुना देवी से संबंधित है।

भगवान सूर्यदेव की पत्नी छाया की कोख से यमराज और यमुना का जन्म हुआ था। यमुना अपने भाई यमराज से बहुत स्नेह करती थी और अक्सर उनसे अनुरोध करती रहती थी कि वे अपने इष्ट मित्रों सहित उसके घर भोजन के लिए पधारें लेकिन यमराज हर बार उसके निमंत्रण को किसी न किसी बहाने से टाल जाते। कार्तिक शुक्ल द्वितीया को यमुना ने यमराज को एक बार फिर भोजन के लिए आमंत्रित किया। उस समय यमराज ने विचार किया कि मैं तो अपने कर्त्तव्य से बंधा सदैव प्राणियों के प्राण ही हरता हूं, इसलिए इस चराचर जगत में कोई भी मुझे अपने घर नहीं बुलाना चाहता लेकिन बहन यमुना तो मुझे बार-बार अपने घर आमंत्रित कर रही है, इसलिए अब तो उसका निमंत्रण स्वीकार करना ही चाहिए। यमराज को अपने घर आया देख यमुना की खुशी का ठिकाना न रहा। उसने भाई का खूब आदर-सत्कार करते हुए उनके समक्ष नाना प्रकार के व्यंजन परोसे। बहन के आतिथ्य से यमराज बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने उसे कोई वर मांगने को कहा। इस पर यमुना ने उनसे अनुरोध किया कि आप प्रतिवर्ष इसी दिन मेरे घर आकर भोजन करें और मेरी तरह जो भी बहन इस दिन अपने भाई का आदर-सत्कार करे, उसे तुम्हारा भय न रहे। यमराज ने बहन यमुना को उसका इच्छित वरदान दे दिया। ऐसी मान्यता है कि उसी दिन से 'भाई दूज' का पर्व मनाया जाने लगा।

भाई दूज के संबंध में और भी कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अन्य कथा के अनुसार, एक ब्राह्मण की दो ही संतानें थी- एक पुत्र एवं एक पुत्री। पुत्री बहुत समझदार एवं गुणवती थी। वह अपने भाई से जी जान से प्यार करती थी। एक दिन उसका भाई उससे मिलने उसकी ससुराल पहुंचा। उस समय वह सूत कातने में व्यस्त थी। अतः उसे भाई के आने का पता ही न चल सका। भाई भी बिना कुछ बोले चुपचाप एक ओर बैठा रहा। जब थोड़ी देर बाद बहन की नजर उस पर पड़ी तो भाई को अपने घर आया देख उसे बेहद खुशी हुई। उसने भाई का भरपूर आदर-सत्कार किया। अगले दिन भाई को वापस लौटना था, अतः रास्ते के लिए वह आटे के पकवान बनाने के उद्देश्य से चक्की में आटा पीसने लगी। अनजाने में चक्की में बैठा सांप भी आटे के साथ पिस गया। उसी आटे के पकवान एक पोटली में बांधकर उसने भाई को विदा किया और उसके घर से जाने के बाद जब उसे यह मालूम हुआ कि आटे में सांप पिस गया है तो अपने पुत्र को पालने में ही सोता छोड़कर वह अपने भाई के प्राणों की रक्षा के लिए दौड़ी।

कुछ दूर जाने पर उसे एक पेड़ की छांव में अपना भाई सोता दिखाई दिया। उसने अभी तक पोटली में से कुछ भी नहीं खाया था। उसने भगवान का शुक्रिया अदा किया और पोटली उठाकर दूर फैंक दी तथा भाई के साथ मायके की ओर चल दी। रास्ते में उसने देखा कि भारी-भारी शिलाएं आकाश में उड़ रही हैं। उसने एक राहगीर से इस रहस्य के बारे में जानना चाहा तो उसने बताया कि जो बहन अपने भाई पर कभी नाराज न होती हो और उसे दिलो-जान से चाहती हो, उस भाई की शादी के समय ये शिलाएं उसकी छाती पर रखी जाएंगी। थोड़ी दूर चलने पर उसे नाग-नागिन दिखाई दिए। नाग ने बताया कि ये शिलाएं जिस व्यक्ति की छाती पर रखी जाएंगी, हम उसे डस लेंगे। जब बहन ने इस विपत्ति से बचने का उपाय पूछा तो नाग-नागिन ने बताया कि अगर भाई के विवाह के समय उसके सभी कार्य बहन स्वयं करे, तभी भाई की जान बच सकती है।

जब उसके भाई के विवाह के लग्न का शुभ मुहूर्त आया तो वह भाई को पीछे धकेलती हुई स्वयं ही लग्न चढ़वाने के लिए आगे हो गई और घोड़ी पर भी स्वयं चढ़ गई। परिवारजन और संबंधी उसके इस विचित्र व्यवहार से हैरान तथा क्रोधित थे। उसके घोड़ी पर चढ़ते ही शिलाएं उड़ती-उड़ती आई लेकिन घोड़ी पर किसी पुरूष की जगह एक महिला को बैठी देख वापस मुड़ गई। जब सुहागरात का समय आया तो वह भाई को पीछे कर खुद भाभी के साथ सोने उसके कमरे में चली गई। परिवार के सभी सदस्य तथा सभी रिश्तेदार उसके इस अजीबोगरीब व्यवहार से बेहद आश्चर्यचकित और खफा थे। उन्हें उस पर गुस्सा तो बहुत आ रहा था लेकिन उसके जिद के समक्ष सभी विवश थे। सुहागरात पर नियत समय पर नाग-नागिन उसके भाई को डसने कमरे में पहुंच गए लेकिन उसने नाग-नागिन को मारने की सारी तैयारी पहले ही कर रखी थी। आखिरकार उसने नाग-नागिन का काम तमाम कर ही दिया और उसके बाद वह निश्चिंत होकर सो गई। सुबह होने पर सभी मेहमानों को विदा करने के बाद परिवार वालों ने सोचा कि अब इस बला को भी कुछ बचा-खुचा देकर यहां से चलता कर दिया जाए लेकिन नींद से जागने पर जब उसने पूरी घटना के बारे में सब को विस्तार से बताया कि किस प्रकार वह अपने बच्चे को पालने में ही सोता छोड़कर दौड़ी-दौड़ी भाई के प्राण बचाने के लिए उसके पीछे चली आई और सभी को नाग-नागिन के मृत शरीर दिखाए तो सभी की आंखों में आंसू आ गए और भाई के प्रति उसका असीम प्यार तथा समर्पण भाव देखकर उसके प्रति सभी का हृदय श्रद्धा से भर गया। भाई-भाभी तथा माता-पिता ने उसे ढ़ेर सारे उपहारों से लादकर बड़े मान-सम्मान के साथ खुशी-खुशी ससुराल विदा किया। भाई-बहन के बीच इसी प्रकार के पावन संबंध, प्रेमभाव तथा उनके दिलों में आपसी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए ही 'भाई दूज' पर्व मनाया जाता है।

*(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)*

# झाड़ू से बीएमडब्ल्यू तक : दीपोत्सव, सनातन परंपरा और बाजारवाद

भारत में त्योहार केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं होते, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक जीवन की जीवंत अभिव्यक्ति होते हैं। सनातन धर्म में प्रत्येक पर्व के पीछे कोई न कोई आध्यात्मिक संदेश, धार्मिक मान्यता और जीवन-दर्शन छिपा है। दीपावली भी ऐसा ही महापर्व है, जो अंधकार से प्रकाश, निराशा से आशा और असत्य से सत्य की ओर बढ़ने का संदेश देता है। भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आगमन की स्मृति हो या माता लक्ष्मी की आराधना, दीपावली भारतीय जनमानस में आस्था, उल्लास और पारिवारिक एकता का प्रतीक रही है। लेकिन बदलते समय के साथ इस पर्व का एक नया चेहरा भी सामने आया है, जहां आध्यात्मिकता के साथ बाजारवाद की चमक भी खूब दिखाई देती है।



धनतेरस से भाई दूज तक देश का बाजार किसी विशाल उत्सवी रंगमंच में बदल जाता है। यहां आर्थिक स्थिति, सामाजिक वर्ग और खरीदारी की क्षमता के अनुसार हर व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ उपलब्ध है। फुटपाथ पर बैठा कुम्हार मिट्टी के दीये सजाकर ग्राहक की प्रतीक्षा करता है, तो वातानुकूलित शोरूम में करोड़ों की लग्जरी गाड़ियों की बुकिंग होती है। एक ओर दो सौ रुपये की लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और झाड़ू पर मोलभाव होता है, तो दूसरी ओर सोने-चांदी के आभूषणों और बीएमडब्ल्यू जैसी महंगी गाड़ियों की खरीदारी को शुभ मुहूर्त से जोड़ दिया जाता है। यही भारतीय बाजार की खूबसूरती भी है और उसकी विडंबना भी। आस्था सबकी एक, लेकिन खरीदारी का बजट अलग-अलग!

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा अपने आप में दिलचस्प है। वर्षभर घर के किसी कोने में पड़ी रहने वाली साधारण झाड़ू इस दिन अचानक शुभता और समृद्धि का प्रतीक बन जाती है। मान्यता है कि स्वच्छता और सुव्यवस्था से लक्ष्मी का आगमन होता है। मिट्टी के दीये, पारंपरिक बर्तन और लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाएं भी बाजार में विशेष महत्व प्राप्त कर लेती हैं। कुम्हार के हाथों से बना एक छोटा-सा दीपक केवल मिट्टी का उत्पाद नहीं, बल्कि हमारी लोककला, परंपरा और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। लेकिन बाजार की दुनिया में आस्था भी अब आकर्षक पैकेजिंग के साथ बिकने लगी है।

भारतीय सनातन संस्कृति में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को जीवन के चार पुरुषार्थ माना गया है। यहां धन अर्जित करने का विरोध नहीं, बल्कि धन के सदुपयोग, परिश्रम और नैतिकता पर जोर दिया गया है। माता लक्ष्मी के साथ भगवान गणेश का पूजन इस बात का भी प्रतीक है कि समृद्धि के साथ बुद्धि और विवेक आवश्यक हैं। लेकिन आज त्योहारों के बाजार में इस विवेक की परीक्षा होती दिखाई देती है। बाजार को पता है कि त्योहार के अवसर पर ग्राहक केवल वस्तु नहीं खरीदता, वह शुभता, प्रतिष्ठा और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी खरीदता है। इसी भावना को बिक्री की रणनीति में बदलने की कला बाजार ने खूब सीख ली है।

मध्यमवर्गीय परिवार के लिए त्योहारों की खरीदारी किसी मनोवैज्ञानिक परीक्षा से कम नहीं होती। घर से निकलते समय बजट दोपहिया वाहन का होता है, लेकिन शोरूम में आकर्षक छूट, आसान किस्तों और त्योहार विशेष प्रस्तावों का ऐसा मायाजाल बिछता है कि ग्राहक चोपहिया वाहन तक पहुंच जाता है। कभी-कभी तो बजट से बाहर निकलकर लग्जरी गाड़ी की चाबी हाथ में आ जाती है। उस समय मासिक किस्तों का गणित कुछ दिनों के लिए दिमाग से गायब हो जाता है। बाजार का कमाल देखिए, खरीदारी करते समय भविष्य की आमदनी भी वर्तमान की जेब में दिखाई देने लगती है। घर लौटते समय चेहरे पर नई गाड़ी की खुशी और मन के किसी कोने में आने वाली किस्तों की चिंता दोनों साथ-साथ चलती हैं।

इस पारंपरिक बाजार में अब एक नया और ताकतवर खिलाड़ी शामिल हो गया है, वह है डिजिटल बाजार। पहले दीपावली की खरीदारी परिवार के साथ बाजार जाकर होती थी। दुकानों की सजावट, मिठाइयों की खुशबू, दुकानदारों से परिचय और मोलभाव भी त्योहार की खुशियों का हिस्सा होते थे। अब मोबाइल की एक उंगली के स्पर्श से मिट्टी के दीये से लेकर महंगे मोबाइल और लग्जरी गाड़ियों तक की जानकारी और बुकिंग उपलब्ध है।

# अखिलेश 12 नहीं छह दिसंबर को जाएं अयोध्या: पंकज चौधरी

**लखनऊ, एजेंसी।**

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव के अयोध्या के प्रस्तावित दौरे को लेकर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें 12 दिसंबर को नहीं, बल्कि छह दिसंबर को राम मंदिर जाकर राम भक्तों की हत्या के महापाप के लिए माफी मांगनी चाहिए।

चौधरी ने 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट में यादव के अयोध्या दौरे को स्वांग करार देते हुए कहा, अगर भगवान श्रीराम पर ये नया पैंतरा नहीं, सच्चा पश्चाताप है तो 12 नहीं, छह दिसंबर को राम मंदिर जाइए और जिन सैकड़ों रामभक्तों की हत्या कराई उस महापाप पर माफी मांगिये।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कारनामे बोलते हैं हैशटैग से की गई इसी पोस्ट में कहा, मत समझिये कि आपके पुराने पाप धुल जाएंगे, बल्कि इस रामभक्ति के स्वांग से बचा-खुचा अस्तित्व भी गंवाएंगे।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 12 दिसंबर को सपरिवार अयोध्या जाकर रामलला और हनुमानगढ़ मंदिरों में दर्शन पूजन करेंगे। जनवरी 2024 में राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद यादव पहली बार राम मंदिर जाएंगे। इस दौरान वह साधु-संतों से मुलाकात भी करेंगे।

# प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड को विकास यात्रा के लिए नई दिशा, नई उर्जा दी: धामी

**देहरादून, एजेंसी।**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जिस राज्य की नींव रखी थी, उसे सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है।

धामी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए मोदी का आभार जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य स्थापना दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक दिन पहले धामी को पत्र लिखकर उत्तराखंड को शुभकामनाएं दी थीं।

उत्तराखंड का गठन नौ नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग कर किया गया था।

धामी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग से देवभूमि उत्तराखंड में विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए अभूतपूर्व कार्यों और उपलब्धियों को साझा कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड की पहचान एक उत्कृष्ट पर्यटन स्थल, उद्योगों के अनुकूल राज्य और तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में बन रही है।

उन्होंने कहा कि नए उत्तराखंड में हर वर्ग के कल्याण और प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

धामी ने मोदी को लिखे एक पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश पढ़कर उन्हें न केवल एक प्रधानमंत्री की शुभकामनाएं महसूस हुईं, बल्कि एक संवेदनशील व्यक्ति की भावनाएं भी दिखाई दीं, जिसका उत्तराखंड की



मिट्टी से गहरा जुड़ाव है। उन्होंने लिखा, आपके (प्रधानमंत्री के) शब्दों में व्यक्त आत्मीयता ने प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को यह अनुभूति कराई है कि उत्तराखंड आपके लिए भारत का केवल एक राज्य नहीं, बल्कि भावनाओं, आध्यात्मिक चेतना और आत्मीय संबंधों से जुड़ी एक पावन भूमि है। आपके इस स्नेहिल संदेश के लिए मैं प्रदेश की समस्त जनता की ओर से हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

धामी ने कहा कि उत्तराखंड का गठन लंबे जनसंघर्ष, अनगिनत बलिदानों और लोगों की आकांक्षाओं का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का योगदान राज्य के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाजपेयी द्वारा रखी गई नींव पर सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य बनाने का संकल्प मोदी के नेतृत्व में लगातार साकार हो रहा है। धामी ने कहा, अटल जी के स्वप्न और आपके संकल्प के बीच उत्तराखंड की विकास यात्रा एक सशक्त सेतु के रूप में आगे बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि बाबा केदारनाथ के चरणों में प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बनाने की बात कही थी और इस घोषणा ने राज्य की विकास यात्रा को नई दिशा, आत्मविश्वास और ऊर्जा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने विकास को केवल आंकड़ों, घोषणाओं और निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं रखा बल्कि दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की जरूरतों को भी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में शामिल किया।

धामी ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के अपनी सरकार के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण से काम करने का भरोसा जताया।

# जनजातीय परिषद क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध त्रिपुरा सरकार: साहा

**अगरतला, एजेंसी।**



त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के तहत आने वाले क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनजातीय परिषद को पूर्वोत्तर राज्य का एक ₹अभिन्न अंग₹ बताया।

पश्चिम त्रिपुरा के खुमुलवंग में टीटीएएडीसी के सात कार्यकारी सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि संविधान की छठी अनुसूची में आदिवासी लोगों को सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों की गारंटी दी गई है।

उन्होंने कहा, आदिवासी लोगों को जमीन, परंपरा, संस्कृति और भाषा से जुड़े जो अधिकार दिए गए हैं, उनका इस्तेमाल सावधानी से किया जाना चाहिए। इन अधिकारों का लाभ उठाने में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। जनजातीय परिषद की कुछ मांगें हो सकती हैं, लेकिन वे व्यावहारिक होनी चाहिए।

उनका यह बयान टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) की जमीन के अधिकार से जुड़ी मांग के संदर्भ में माना जा रहा है। साहा ने कहा कि जमीन से जुड़े मुद्दों पर गौर करने के लिए राज्य सरकार और जनजातीय परिषद प्रशासन के प्रतिनिधियों को शामिल करके एक समिति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि जनजातीय परिषद के क्षेत्रों में कम छात्रों वाले स्कूलों को अधिक छात्रों वाले स्कूलों के साथ मिलाने के लिए भी एक समिति बनाई गई है, ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके।

उन्होंने कहा, विकास के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार ने पहले ही कम छात्रों वाले स्कूलों को अधिक छात्रों वाले स्कूलों के साथ मिलाने के लिए एक समिति बना दी है। हम जनजातीय क्षेत्रों में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) की तर्ज पर आवासीय स्कूल स्थापित करना चाहते हैं, ताकि छात्रों को बेहतर शिक्षा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों के दौरान मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें दूर करने के लिए बातचीत जरूरी है। उन्होंने कहा, काम करते समय गलतियां हो सकती हैं और बातचीत बंद होने पर दूरियां बढ़ जाती हैं। समस्याओं को सुलझाने के लिए हमें मुद्दों पर लगातार चर्चा करनी चाहिए, क्योंकि जनजातीय परिषद राज्य का अभिन्न हिस्सा है। आइए, हम सब मिलकर एक विकसित और जीवंत त्रिपुरा का निर्माण करें।

## पुलिस कार्यशैली में करे बदलाव: मुर्मु

**नई दिल्ली,एजेंसी।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि साइबर अपराध तेजी से फैल रहे हैं और पहले से अधिक गंभीर होते जा रहे हैं इसे देखते हुए पुलिस अधिकारियों को इन अपराधों से निपटने के लिए अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में बदलाव करना होगा।सुश्री मुर्मु ने आज राष्ट्रपति भवन में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 78वें आरआर (2025 बैच) के प्रशिक्षु अधिकारियों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि पुलिस को समाज में साइबर अपराधों के खतरों के प्रति अधिक जागरूकता फैलानी चाहिए और डीपफेक जैसी नयी चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करने वाले अपराधियों से हमेशा आगे रहना चाहिए।

## अयोध्या को सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी बनाएगी सपा: अखिलेश

**लखनऊ, एजेंसी।**

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या के विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का वादा करते हुए कहा कि सत्ता में आने पर उनकी पार्टी अयोध्या को सनातन तीर्थाटन की वैश्विक राजधानी बनाएगी।

यादव ने राम मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता लाने, श्रद्धालुओं का विश्वास बहाल करने और स्थानीय लोगों को आर्थिक लाभ पहुंचाने का भी वादा किया। यादव 12 दिसंबर को अयोध्या जाएंगे। उन्होंने सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए अयोध्या के संबंध में अपनी भावी योजनाएं साझा कीं और कहा कि उनकी पार्टी अयोध्या नगरी के मान-सम्मान को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने दावा किया कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या राम मंदिर में चोरी की कथित घटना के कारण लगातार घट रही है, जिसका सीधा असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता में आने पर सपा इस स्थिति को सुधारेगी और मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता लाकर लोगों का विश्वास बहाल करेगी। उन्होंने अयोध्या में विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने का वादा भी किया। यादव ने आरोप लगाया कि 'बाहरी ठेकेदारों' ने अयोध्या को लूटा है। उन्होंने अयोध्या को 'बाहरी ठेकेदारों से मुक्त कराने और जमीन के सौदों की जांच कराने का वादा किया।

**सार समाचार**

## ओडिशा कैबिनेट ने नए कानून के मसौदे को दी मंजूरी

**भुवनेश्वर,एजेंसी।** ओडिशा मंत्रिमंडल ने राज्य में पालतू पशुओं के वैज्ञानिक प्रजनन को बढ़ावा देने, पशुओं की उत्पादकता में सुधार करने और दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए 'ओडिशा बोवाइन ब्रीडिंग (नियमन) विधेयक , 2026' के मसौदे को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण विधेयक को आगामी सत्र के दौरान राज्य विधानसभा में पेश किया जाएगा।राज्य में पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से लाए जा रहे इस प्रस्तावित कानून के तहत प्रजनन मानकों की देखरेख, पंजीकरण, प्रमाणन और गुणवत्ता नियंत्रण के लिए 'ओडिशा बोवाइन ब्रीडिंग रेगुलेटरी अथॉरिटी' की स्थापना की जाएगी। साथ ही, पशुओं की पहचान, वंशीय रिकॉर्ड और प्रजनन परिणामों की निगरानी के लिए 'स्टेट डिजिटल लाइवस्टॉक ब्रीडिंग रजिस्ट्री' बनाई जाएगी।इसके अलावा, 'ओडिशा बोवाइन जेनेटिक इंप्रूवमेंट फंड' के जरिए स्वदेशी नस्लों के संरक्षण, आधुनिक तकनीकों को अपनाने और अनुसंधान को समर्थन दिया जाएगा।

## ब्रिटिश संसद थॉमस ए. संगमा सम्मानित

**शिलांग, एजेंसी।** मेघालय विधानसभा के अध्यक्ष थॉमस ए. संगमा को सोमवार को वेस्टमिंस्टर में ब्रिटिश संसद में हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड उदय नागराजू द्वारा सम्मानित किया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संगमा 'स्टेट लेजिस्लेटर्स लीडरशिप एक्सीलेंस प्रोग्राम' के तहत मेघालय के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए ब्रिटेन के दौरे पर हैं। इस सम्मान के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह दौरा कुछ नया सीखने और आपसी रिश्तों को मजबूत करने के उद्देश्य से है। संगमा ने कहा, यह सम्मान केवल मेरे लिए ही नहीं, बल्कि मेघालय की जनता के लिए है। दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की कार्यप्रणाली को समझना हमें अपनी विधानसभा को मजबूत करने और अपने लोगों की बेहतर सेवा करने में मदद करेगा।लेबर पार्टी के लाइफ पीयर, प्रौद्योगिकी सलाहकार और सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ लॉर्ड नागराजू ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया।

# सिर्फ ग्रंथों के बखान से भारत नहीं बनेगा विश्वगुरु: होसबाले

**मथुरा,एजेंसी।**

धर्मनगरी वृंदावन स्थित केशवधाम में आयोजित गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सामाजिक समरसता और आत्मनिर्भर भारत का बड़ा संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने साफ कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ या किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए केवल वेदों, गीता और रामायण का बखान करने के बजाय उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना होगा।

भाजपा और संघ के आला पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं की बड़ी मौजूदगी के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में सरकार्यवाह ने भारत माता और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। दत्तात्रेय होसबाले ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला का संदर्भ देते हुए इसे सामूहिक प्रयास और संगठन की शक्ति से जोड़ा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब प्रत्येक जीव में परमात्मा का वास है। उन्होंने सेवा को अनुकंपा के बजाय संवेदना बताते हुए कहा कि समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग को इतना सक्षम बनाना होगा कि वे स्वयं आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें।

## लद्दाख प्रशासन ने एलएएचडीसी के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की

**श्रीनगर,एजेंसी।** लद्दाख प्रशासन ने मंगलवार को लद्दाख स्वायत्त पर्वतीय क्षेत्र विकास परिषद (एलएएचडीसी) के चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा कर दी। मतदान चार दिसंबर को होगा। इस बीच कारगिल में कई स्थानीय संगठनों ने इस घोषणा और सर्दियों में चुनाव कराने के विरोध में आज बंद का आह्वान किया है।राज्य चुनाव आयुक्त सुधांशु पांडे द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उम्मीदवार 17 नवंबर तक सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे के बीच नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन की छंटनी 18 नवंबर को सुबह 11 बजे संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय में होगी और नाम वापसी की आखिरी तारीख 20 नवंबर होगी।

# यूसीसी गैर-हिंदुओं पर हिंदू आचार संहिता थोपने की कोशिश : ओवैसी

**मुंबई, एजेंसी।**

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) गैर-हिंदुओं पर 'हिंदू नागरिक संहिता' थोपने की एक कोशिश है।

ओवैसी ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा में यूसीसी संबंधी विधेयक को पारित किए जाने और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्य में इसे लागू किए जाने का विरोध करेगी।

उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार यूसीसी लागू करेगी।



ओवैसी ने राज्य सरकार की ओर से यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया के तहत जारी प्रश्नावली पर चिंता भी जताई। उन्होंने दावा किया कि प्रश्नावली में हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है और इसमें यूसीसी की परिभाषा भी स्पष्ट नहीं की गई है।

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य ओवैसी ने कहा कि गुजरात, असम, मध्यप्रदेश और उत्तराखंड की तरह ही महाराष्ट्र में यूसीसी लाना असल में गैर-हिंदुओं पर 'हिंदू नागरिक संहिता' थोपने का एक प्रयास है।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूसीसी गैर-हिंदुओं पर हिंदू विवाह अधिनियम, हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम थोपने की एक साजिश भी है। ओवैसी ने कहा, हमारा विरोध यूसीसी को लेकर है, खासकर उस यूसीसी को लेकर, जिसे भाजपा ला रही है। यह हमारी मुख्य धार्मिक प्रथाओं को छीनने की एक कोशिश है, जिन्हें मौलिक अधिकारों के तहत संरक्षण प्राप्त है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित यूसीसी के तहत तलाक को हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार लिया जा रहा है और इसमें अदालत की ओर से अनिवार्य एक साल अलग रहने के प्रावधान को शामिल किया गया है। ओवैसी ने कहा कि हालांकि, इस्लाम महिलाओं को 'खुला' (तलाक) का अधिकार देता है।

उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की ओर से 'तीन तलाक' को दंडनीय अपराध बनाए जाने के बाद पुरुषों के अपनी पत्नि को छोड़ देने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और इसका असर मुस्लिम महिलाओं पर पड़ा है।

# सोनिया गांधी के आंसू केवल मुसलमानों के वोट के लिए बहते हैं: गिरिराज

**नई दिल्ली, एजेंसी।**





केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण ने उनका यह असली चेहरा सामने ला दिया कि उनके आंसू सिर्फ मुसलमानों के वोट के लिए बहते हैं लेकिन जब पाकिस्तानी आतंकवादी भारतीयों की हत्या करते हैं और नक्सली सनातनियों का नरसंहार करते हैं, तब उनके आंसू सूख जाते हैं।

सिंह ने सोनिया गांधी के संस्मरण में की गई इस टिप्पणी के लिए भी उन पर निशाना साधा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब भी उनके सामने आते हैं, तो अक्सर नजरें फेर लेते हैं। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा, वह कितने लोगों से नजरें मिलाएंगे? वह एक बार तो नजरें मिला ही चुके हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, नरेन्द्र मोदी नजरें मिलाते हैं। वह अपने दुश्मनों से सीधे उनकी आंखों में देखकर बात करते हैं। ये लोग उनके दुश्मन नहीं हैं। वह पाकिस्तान और देश के दुश्मनों की आंखों में आंखें डालकर बात करते हैं।

सोनिया गांधी ने अपने संस्मरण 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में लिखा है कि प्रधानमंत्री मोदी भारत के अपने दृष्टिकोण के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वह (सोनिया) अपने (दृष्टिकोण के) लिए। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता ने पुस्तक में यह भी उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री मोदी से उनका लगभग कभी कोई वास्तविक संपर्क नहीं रहा है और जब भी दोनों आमने-सामने आते हैं, तो मोदी अक्सर नजरें फेर लेते हैं, आंखें मिलाने से बचते हैं।

सोनिया गांधी के संस्मरण के बारे में पूछे जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि इस पुस्तक ने उनका असली चेहरा सामने ला दिया है।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी ने लिखा है कि बाबरी मस्जिद की घटना के बाद उनकी आंखों से अपने आप आंसू निकलने लगे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा,हां, उनके आंसू वोट और मुसलमानों के लिए बहते हैं।

## हनुमंत राव ने गजट की प्रतियां फाड़ीं

**हैदराबाद,एजेंसी।** तेलंगाना सरकार के सलाहकार वी. हनुमंत राव ने मांग करते हुए कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार यह स्पष्ट करे कि चल रही देशव्यापी जनगणना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित जातिगत आंकड़ों को क्यों शामिल नहीं किया गया है।

उन्होंने मंगलवार को यहां गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए इस बात के विरोध में सरकारी गजट की प्रतियां फाड़ दीं और ऐलान करते हुए कहा कि जातिगत जनगणना के प्रावधान के बिना जारी की गई कोई भी अधिसूचना स्वीकार्य नहीं है।

# विहिप ने सोनिया गांधी से 'हिंदू विरोधी' बयान को लेकर माफी की मांग की

**नई दिल्ली, एजेंसी।**

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर हिंदू भावनाओं को आहत करने और तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए, उनसे माफी मांगने की मांग की।

यह मांग सोनिया गांधी के संस्मरण 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' के जारी होने के दिन की गई।

विहिप के केंद्रीय संयुक्त महासचिव सुरेंद्र जैन ने आरोप लगाया कि वह मुस्लिम वोट बैंक को रिझाने के लिए दुख जताने का दिखावा कर रही हैं और मगरमच्छ के आंसू तथा चुनाव के समय के आंसू बहा रही हैं। जैन ने एक बयान में दावा किया कि जब हिंदुओं पर अत्याचार होते हैं या उनका नरसंहार किया जाता है, तो वह चुप रहती हैं, लेकिन जब आतंकवादियों या मुस्लिम आक्रांताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाती है तो वह चिंता जताती हैं।

विहिप महासचिव ने आरोप लगाया कि विदेशी आक्रांता बाबर की क्रूरता के प्रतीक बाबरी ढांचे के विध्वंस पर सोनिया गांधी की आंखों से आंसू छलक आए थे। उनके अनुसार, सोनिया ने तब भी यही बात कही थी।

## दीपोत्सव से अयोध्या के होमस्टे कारोबार को मिली नई रफ्तार, संचालकों की बढ़ी कमाई

**अयोध्या,एजेंसी।**

अयोध्या में दीपोत्सव-2026 की भव्यता ने इस बार पर्यटन कारोबार को भी नई ऊंचाई दी। 36 लाख दीपों से जगमगाई रामनगरी और 2100 ड्रोन्स का भव्य शो देखने के लिए बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक पहुंचे। श्रद्धालुओं की बढ़ती आमद का असर शहर के होटल और होमस्टे कारोबार पर भी दिखाई दिया। खास बात यह रही कि पर्यटकों ने होटलों के साथ-साथ स्थानीय परिवारों की ओर से संचालित होमस्टे में भी ठहरने को प्राथमिकता दी। इससे होमस्टे संचालकों की कमाई बढ़ी और कई परिवारों को अपने ही शहर में रोजगार के नए अवसर मिले।

दीपोत्सव के दौरान एक से सात नवंबर तक अयोध्या में करीब 15 लाख पर्यटक पहुंचे, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में आठ लाख से अधिक पर्यटकों का आगमन हुआ था। वहीं, रामलला के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी पिछले वर्ष के पांच लाख से बढ़कर इस बार करीब 10 लाख हो गई। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से स्थानीय कारोबार को भी अच्छा लाभ मिला। होमस्टे संचालकों के मुताबिक, दीपोत्सव के दौरान उनके यहां कमरों की मांग सामान्य दिनों के मुकाबले काफी अधिक रही। कई पर्यटकों ने एक-दो दिन के बजाय अधिक समय तक रुकना पसंद किया।

श्रीरामदूत निवास होमस्टे के संचालक वासुदेव मौर्य ने बताया कि दीपोत्सव के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में कारोबार में करीब 120 से 130 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। उनके यहां सभी कमरे बुक रहे।

### समाज में आ रही गिरावट और उसे सुधारने के प्रयासों के बीच एक संतुलन बनाये रखना जरूरी है

# भागवत ने आरएसएस स्वयंसेवकों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की

**नागपुर, एजेंसी।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संगठन ने अपने स्वयंसेवकों के समर्पण, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों से 100 साल का सफर पूरा किया है, न कि किसी के संरक्षण या मदद से।भागवत ने सोमवार को नागपुर में 'सिटिजन्स को-ऑपरेटिव बैंक' के मुख्यालय और सभागार के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कहा कि व्यक्ति के विकास के जरिए राष्ट्र-निर्माण का संघ का काम अपनी शुरुआत से ही लगातार जारी है।

स्वयंसेवक अपने समय का एक बड़ा हिस्सा संगठनात्मक कार्यों में लगाते हैं, जबकि जो लोग ऐसा नहीं कर पाते, वे अपने आचरण और जीवनशैली के जरिए समाज में एक सकारात्मक माहौल बनाकर योगदान देते हैं।इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद थे। श्री भागवत ने कहा कि भले ही आरएसएस ने 100 साल पूरे कर लिए हैं लेकिन इसका सफर अभी भी जारी है। बदलते समय के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए संगठन की गतिविधियों में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज में आ रही गिरावट और उसे सुधारने के प्रयासों के बीच एक संतुलन बनाये रखना जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवकों के योगदान के बारे में बताते हुए कहा कि कुछ लोग संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जबकि अन्य अपने निजी जीवन और आचरण के जरिए संघ के आदर्शों का प्रसार करते हैं। स्वयंसेवक संघ की विचारधारा को अपने जीवन में



उतारने और इसके मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं।

भागवत ने आरएसएस प्रचारकों के जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वे अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं और मोह-माया को त्यागकर अपना पूरा जीवन संगठन को समर्पित कर देते हैं। उनकी प्रतिबद्धता और जीवनशैली समाज में सम्मान पैदा करती है और अन्य स्वयंसेवकों को भी प्रेरित करती है।उन्होंने बताया कि कई विकसित देशों के लोग अक्सर यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि कैसे कुछ लोग बिना किसी आर्थिक या व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद किए अपना पूरा जीवन एक संगठन को समर्पित कर सकते हैं।

उनके विदेश दौरों के दौरान भी इस तरह के समर्पण ने लोगों का ध्यान खींचा है। भागवत ने संस्था-निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी संगठन की स्थापना करना और उसे दो-तीन पीढ़ियों तक बनाए रखने के लिए एक मजबूत नींव तैयार करना कोई आसान काम नहीं है। कई स्वयंसेवकों ने इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, हालांकि उनके इस योगदान को हमेशा तुरंत पहचान नहीं मिल पाती है। उन्होंने संघ के शुरुआती इतिहास को याद करते हुए1930 के दशक में केंद्रीय प्रांत विधानसभा में संगठन पर प्रतिबंध लगाने के एक प्रस्ताव का जिक्र किया। एक सदस्य इब्राहिम ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था।

उनका तर्क था कि आरएसएस कोई सांप्रदायिक संगठन नहीं है। उन्होंने ने बताया कि भारत को हिंदू राष्ट्र मानने के विचार से असहमत होने के बावजूद श्री इब्राहिम ने कहा था कि वे डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को व्यक्तिगत रूप से जानते हैं और उन्हें ऐसा व्यक्ति नहीं मानते (जैसा कि उन पर आरोप लगाया जा रहा था)।भागवत ने कहा कि बिना किसी अहंकार या निजी फायदे की उम्मीद के समाज के लिए जीना ही एक आरएसएस स्वयंसेवक का मुख्य उद्देश्य होता है। हर कोई पूरी तरह से इस आदर्श का हालांकि पालन नहीं कर पाता, फिर भी ज्यादातर स्वयंसेवक अपने निजी जीवन की चुनौतियों के बावजूद समाज और देश के लिए काम करने की कोशिश करते हैं।

सार समाचार

## राजेश पाटिल चुने गए 'गोकुल' के नए अध्यक्ष

**कोल्हापुर,एजेंसी।** महाराष्ट्र में मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के पूर्व विधायक और महायुति के उम्मीदवार राजेश पाटिल को 16 मतों के साथ लोकप्रिय रूप से 'गोकुल' के नाम से जाने जाने वाले कोल्हापुर जिला दुग्ध उत्पादक किसान सहकारी संघ का अध्यक्ष चुन लिया गया। कांग्रेस एमएलसी सतेज पाटिल के नेतृत्व वाली समविचारी अघाड़ी (समन्वय समिति) के उम्मीदवार शशिकांत पाटिल-चुयेकर को 13 वोट मिले। 'गोकुल' के निदेशक मंडल के चुनावों में सतेज पाटिल के नेतृत्व वाले इस समान विचारधारा वाले गठबंधन ने 25 में से 13 सीटें जीती थीं, जबकि महायुति ने 12 सीटें हासिल की थीं। संख्याओं के लिहाज से समविचारी अघाड़ी के पास स्पष्ट बढ़त थी। अध्यक्ष चुनने के लिए हालांकि, 29 अक्टूबर को बुलाई गई पहली बैठक में महायुति के 12 निदेशकों ने बहिष्कार कर दिया था।

## चंडीगढ़ में 30 नवंबर से शुरू होगा वोटर लिस्ट का विशेष पुनरीक्षण

**चंडीगढ़,एजेंसी।** चंडीगढ़ में मतदाता सूचियों को अपडेट करने के लिए 30 नवंबर से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान शुरू होगा। इसके तहत मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर जा चुके लोगों और एक से अधिक जगह पंजीकृत मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। वहीं, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने और मौजूदा विवरण में सुधार का अवसर भी मिलेगा।

चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार अंतिम मतदाता सूची 21 जनवरी 2027 को जारी की जाएगी। मतदाता 30 दिसंबर तक नाम जुड़वाने, कटवाने या विवरण में संशोधन के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस बार 2027 में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं को भी अग्रिम आवेदन की सुविधा दी गई है।

# मध्य प्रदेश में एसआईआर के जरिए हटाए गए बांग्लादेशी घुसपैठिए: मुख्यमंत्री यादव

**उज्जैन, एजेंसी।**



मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को दावा किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम हटाए गए और उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए देश के नागरिक सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ मजबूती से खड़े हैं।

यादव, उज्जैन में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने इस दौरान वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ कुंभ से पहले धार्मिक नगरी के लिए 1,211.34 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री ने एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन करते हुए कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, "निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू किया है। इससे पहले विपक्षी दलों की सरकारों के कार्यकाल में भी इसी तरह मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण किया गया था, लेकिन अब हमारी सरकार के समय यह प्रक्रिया होने पर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसी प्रक्रिया के तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए और उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा।"

यादव ने कहा कि लोगों का लोकतांत्रिक प्रक्रिया, निर्वाचन आयोग और उच्चतम न्यायालय पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकारें वर्तमान में देश के 80 प्रतिशत राज्यों में सत्ता में हैं और 120 करोड़ से अधिक नागरिकों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन में 1,211.34 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का ब्योरा देते हुए कहा कि राज्य सरकार सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित रखते हुए छोटे और मध्यम शहरों के विकास को प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने बताया कि सिंहस्थ कुंभ 2028 की तैयारियों के तहत शिप्रा नदी के किनारे स्थित अंगारेश्वर महादेव मंदिर, गढ़कालिका माता मंदिर और सांदीपनि आश्रम में विकास कार्य कराए जाएंगे।

यादव ने कहा कि उज्जैन में नए चिड़ियाघर और वन्यजीव बचाव केंद्र का शिलान्यास 17 नवंबर को किया जाएगा।

उन्होंने विकास परियोजनाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के संबंध में कहा कि सड़क चौड़ीकरण के लिए स्वेच्छा से अपने मकान देने वाले परिवारों को नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा संचालित बहुमंजिला आवासीय परिसरों में निशुल्क वैकल्पिक आवास उपलब्ध कराया जाएगा।

इसी तरह, प्रभावित दुकानदारों को उज्जैन विकास प्राधिकरण और नगर निगम द्वारा विकसित किए जाने वाले नए बाजारों में व्यावसायिक स्थान आवंटित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सिंहस्थ से संबंधित सड़क परियोजनाओं के लिए जिन किसानों की जमीन अधिग्रहीत की गई है, उन्हें निर्धारित मुआवजे का चार गुना भुगतान किया गया है।

यादव ने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक के निर्माण के बाद धार्मिक पर्यटन में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि 2022 के बाद से उज्जैन के प्रमुख धार्मिक स्थलों के विकास के कारण शहर में व्यापक बदलाव आया है।

# एनएच-719 के फोरलेन निर्माण में देरी पर कांग्रेस का सरकार पर हमला, जनांदोलन की चेतावनी

**भिण्ड, साहस समाचार।**



ग्वालियर-भिण्ड-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-719) के फोरलेन निर्माण में लगातार हो रही देरी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) ने भाजपा सरकार और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के जिला मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि पांच बार टेंडर की तारीख बढ़ाने के बाद अब प्रक्रिया निरस्त होना सरकारी तंत्र की गंभीर लापरवाही और प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है।

त्रिपाठी ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से इस मार्ग के फोरलेन निर्माण की मांग कर रही है, लेकिन अब तक परियोजना जमीन पर नहीं उतर सकी है। उनका आरोप है कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और जरूरी स्वीकृतियां पूरी किए बिना टेंडर प्रक्रिया आगे बढ़ाना जनता के साथ छलावा है। उन्होंने कहा कि बार-बार तारीखें बढ़ने और अंततः टेंडर निरस्त होने से परियोजना के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि एनएच-719 पर लगातार दुर्घटनाएं और जनहानि होने के कारण यह मार्ग लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इसके बावजूद फोरलेन निर्माण का रास्ता साफ नहीं हुआ है। वहीं, वर्ष 2028 तक टोल वसूली का अनुबंध जारी रहने की बात भी सामने आ रही है। ऐसे में सवाल है कि जब लोगों को सुरक्षित सड़क और बेहतर यातायात सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, तो टोल वसूली के औचित्य और सड़क सुरक्षा की जिम्मेदारी पर सरकार तथा एनएचएआई जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस नेता ने मांग की कि डीपीआर और सभी जरूरी स्वीकृतियां तत्काल पूरी कर पारदर्शी तरीके से नई टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही निर्माण की समय-सीमा घोषित करने और परियोजना पूरी होने तक दुर्घटनाएं रोकने के लिए सड़क पर सुरक्षा के ठोस इंतजाम करने की मांग की।

त्रिपाठी ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष रामशेष बघेल की अध्यक्षता में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और क्षेत्र के समाजसेवियों की बैठक जल्द बुलाई जाएगी। इसमें इस समस्या पर चर्चा कर व्यापक जनांदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

## अदालत ने यूएपीए मामले में बारामूला के दो युवकों को बरी किया

**श्रीनगर, एजेंसी।** उत्तर कश्मीर में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत नामित एक विशेष अदालत ने लश्कर-ए-तैयबा की मदद करने के आरोप में छह साल से अधिक समय से जेल में बंद दो लोगों को बरी करते हुए फैसला सुनाया है कि शक चाहे कितना भी गंभीर क्यों न हो, सबूत की जगह नहीं ले सकता।सोपोर के बारामूला में यूएपीए के तहत विशेष नामित जज फिरोज अहमद खान की अदालत ने सोपोर के चूरा के हुजैफ फिरदौस भट और नजीभट क्रीरी के एजाज अहमद खान को प्राथमिकी संख्या 159/2020 में बरी कर दिया, जो थाना बारामूला में यूएपीए की धारा 18, 23 और 39 और हथियार अधिनियम की धारा 7/25 के तहत दर्ज की गई थी। यह मामला 16 सितंबर 2020 को कनिसपोरा-सिंहपोरा चौराहे पर एक सुरक्षा नाके के दौरान रोकी गई एक मारुति कार की ड्राइवर सीट के नीचे से दो हैंड ग्रेनेड और एके-47 के 100 राउंड की बरामदगी से जुड़ा था।

# धामी ने किए ऋषिकेश सहित नौ नगर निकायों में विकसित देवभूमि रजत जयंती पार्क जनता को समर्पित



**देहरादून,एजेंसी।**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ऋषिकेश के चन्द्रेश्वर नगर में आयोजित कार्यक्रम में देवभूमि रजत जयंती पार्कों एवं विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने देहरादून, हरिद्वार, ऊधमसिंह नगर एवं उत्तरकाशी जिले के नौ नगर निकायों में विकसित देवभूमि रजत जयंती पार्कों को जनता के लिए समर्पित किया। उन्होंने देहरादून जिला में 36 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली सात विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नगर निकायों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आठ कूड़ा संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने राज्य निर्माण आंदोलन के शहीदों एवं आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड की रजत जयंती के अवसर पर राज्य सरकार ने संकल्प लिया था कि राज्य स्थापना की स्मृतियां केवल समारोहों तक सीमित न रहें, बल्कि विकास कार्यों के रूप में धरातल पर दिखाई दें। इसी उद्देश्य से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में देवभूमि रजत जयंती पार्क विकसित करने का निर्णय लिया गया।

# सड़कों पर घूमने वाली गायों की जिम्मेदारी समाज की भी: मंत्री शुक्ला

**भिण्ड, एजेंसी।**



मध्यप्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि सड़कों पर घूमने वाली गायों की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की भी है। गौसंरक्षण के लिए सभी को अपनी क्षमता के अनुसार योगदान देना चाहिए।

मंत्री शुक्ला रविवार को गोवर्धन पूजा के अवसर पर भिण्ड जिले के मेहगांव क्षेत्र स्थित दंदरौआ धाम गौशाला पहुंचे। उन्होंने भगवान गोवर्धन की पूजा-अर्चना कर परिक्रमा की और गौमाता का पूजन कर उन्हें गुड़ खिलाया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए लोगों से गौशालाओं में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सरकार ने गौशालाओं को मिलने वाला अनुदान प्रति गाय प्रतिदिन 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दिया है। इससे गोवंश के भोजन और देखभाल की बेहतर व्यवस्था हो सकेगी। उन्होंने कहा कि लोग आर्थिक सहयोग के साथ समय देकर और गायों को गोद लेकर भी उनकी देखभाल की जिम्मेदारी उठा सकते हैं। महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 रामदास जी महाराज ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे भारतीय संस्कृति और प्रकृति से मनुष्य के जुड़ाव का प्रतीक बताया। उन्होंने प्रदेश में सरकारी स्तर पर गोवर्धन पूजा शुरू कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सराहना की। कलेक्टर पवन कुमार जैन ने भी गौसेवा को सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा बताते हुए लोगों से इसके लिए संकल्प लेने की अपील की।

कलेक्टर ने बताया कि गोपाल कृष्ण योजना के तहत मेहगांव विधानसभा क्षेत्र के तीन पशुपालकों को सम्मानित किया गया। गोपाल कृष्ण ग्राम पुरस्कार प्रतियोगिता में मेहगांव विकासखंड के वृंदावन ग्राम सोनी के सूरजभान सिंह को प्रथम, राजकमल को द्वितीय और मुरारी को तृतीय पुरस्कार मिला। मंत्री राकेश शुक्ला और कलेक्टर पवन कुमार जैन ने तीनों विजेताओं को शाल, श्रीफल, पगड़ी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

# एनटीईटी-2026 की द्वितीय परीक्षा दिसंबर में संभावित, एनसीआईएसएम ने जारी किया नोटिस

**शशिकांत गोयल**

**भिण्ड, साहस समाचार।** भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने एनटीईटी-2026 की द्वितीय परीक्षा को लेकर सार्वजनिक सूचना जारी की है। विद्यार्थियों की मांगों एवं प्राप्त अभ्यावेदनों को ध्यान में रखते हुए आयोग ने दिसंबर 2026 में दूसरी परीक्षा आयोजित करने की संभावित योजना बनाई है। परीक्षा की विस्तृत समय-सारणी और आवेदन प्रक्रिया संबंधी जानकारी अलग से जारी की जाएगी।



नीमा छात्र संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री (चिकित्सा प्रकोष्ठ) डॉ. हरेंद्र सिंह भदौरिया ने आयोग के इस निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देशभर के आयुर्वेद पीजी विद्यार्थियों की ओर से एनटीईटी से जुड़ी समस्याओं और मांगों को लेकर अनेक आवेदन प्राप्त हुए थे।

डॉ. भदौरिया के अनुसार, नीमा ने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनकी मांगों और पक्ष को संबंधित उच्च अधिकारियों एवं विभागों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों ने विद्यार्थियों की समस्याओं को समझते हुए उनके हित में सकारात्मक निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि एनटीईटी-2026 की द्वितीय परीक्षा आयोजित किए जाने की संभावित योजना विद्यार्थियों के शैक्षणिक और भविष्यगत हितों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विद्यार्थियों के हित सदैव सर्वोपरि हैं और नीमा आगे भी उनके अधिकारों एवं हितों के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा।

आयोग द्वारा परीक्षा की तारीख, आवेदन की प्रक्रिया और अन्य दिशा-निर्देश जारी किए जाने के बाद विद्यार्थियों को आगे की तैयारी एवं आवेदन संबंधी जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

## धान खरीद में गिरावट पर सैलजा ने भाजपा सरकार को घेरा

**सिरसा, एजेंसी।** हरियाणा के सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में धान की सरकारी खरीद में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की कृषि नीतियों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पोर्टल और घोषणाओं के प्रचार में जुटी है, जबकि किसान पानी, बिजली, फसल खरीद और भुगतान जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान हैं। सैलजा ने बताया कि प्रदेश में धान खरीद का लक्ष्य 58 लाख टन निर्धारित किया गया था, लेकिन अब तक करीब 44.93 लाख टन खरीद ही हो सकी है। उन्होंने कहा कि सरकार को खरीद में गिरावट के कारणों की समीक्षा करनी चाहिए और मौसम, सिंचाई तथा बिजली आपूर्ति की स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई क्षेत्रों में किसानों को पर्याप्त नहरी पानी और बिजली नहीं मिल रही।

# पटना नगर निगम के 200 करोड़ के म्यूनिसिपल बॉन्ड की एनएसई में लिस्टिंग: सम्राट चौधरी

**पटना, एजेंसी।**



बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कहा है कि राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और विकास के नये रास्ते खोलने के लिए सरकार संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ निवेश के नये अवसर तलाश रही है और इसी दिशा में पटना नगर निगम के 200 करोड़ रुपये के म्यूनिसिपल बॉन्ड की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में लिस्टिंग बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

चौधरी ने कहा कि इससे नगर निगम को 200 करोड़ रुपये की राशि शीघ्र प्राप्त हुई है, जिसका उपयोग राजस्व अर्जित करने वाली परियोजनाओं में किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि बिहार में पहली बार पटना नगर निगम के 200 करोड़ रुपये के म्यूनिसिपल बॉन्ड की एनएसई में लिस्टिंग हुई है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने, समृद्धि के नये रास्ते तलाशने तथा राज्य को देश और दुनिया के बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2000 में झारखंड के अलग होने के बाद बिहार से लगभग 87 प्रतिशत राजस्व, 46 प्रतिशत भूमि और अधिकांश वन क्षेत्र अलग हो गये थे। इसके बावजूद राज्य ने विकास की दिशा में निरंतर प्रगति की है। वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी ने भी बिहार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कभी बिहार का बजट लगभग छह हजार करोड़ रुपये हुआ करता था, जो आज बढ़कर करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। चौधरी ने कहा कि बिहार की लगभग 14 करोड़ की आबादी राज्य की बड़ी ताकत है। देश में जीएसटी लागू होने के बाद पहली बार बिहार को अपनी बड़ी आबादी का आर्थिक लाभ मिला है। वित्त आयोग के माध्यम से भी आबादी के अनुपात में राज्य को संसाधन प्राप्त हो रहे हैं।

सरकार सामाजिक सुरक्षा के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि आज ही एक करोड़ नौ लाख से अधिक सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में 1205.91 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गयी है।मुख्यमंत्री ने बेहतर सुविधाएं और मजबूत आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए अधिक संसाधनों की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इसके लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल अपनाना जरूरी है। पटना में 26 किलोमीटर लंबे मरीन ड्राइव के निर्माण में 13 वर्ष लगे और इसके लिए सरकारी खजाने से राशि खर्च की गयी। अब सरकार 126 किलोमीटर लंबे मरीन ड्राइव के निर्माण की दिशा में पीपीपी मॉडल के तहत आगे बढ़ रही है।

## माओवादी की निशानदेही पर राइफल और कारतूस बरामद

**रांची, एजेंसी।** झारखंड पुलिस को नक्सल विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। महाराष्ट्र के मुंबई से गिरफ्तार 13 लाख रुपये के इनामी शीर्ष माओवादी कमांडर संजय यादव उर्फ संजय गोदराम की निशानदेही पर पलामू जिले के महुदंड जंगल से इंसास राइफल और कारतूस बरामद किए गए हैं।

संजय यादव पर भाजपा के चुनाव कार्यालय को बम से उड़ाने और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के प्रखंड अध्यक्ष की हत्या समेत कई गंभीर नक्सली वारदातों में शामिल होने का आरोप है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आईजी अभियान सह पलामू आईजी नरेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर पलामू पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर संजय यादव को मुंबई से गिरफ्तार किया था। पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तारी के बाद उसे झारखंड लाया गया।

शिक्षित नौकरी मांगेगा। सरकारी नौकरी होगी तो आरक्षण भी देना पड़ेगा

# शिक्षकों को आंदोलन के लिये विवश न करे भाजपा सरकार: अखिलेश

**लखनऊ,एजेंसी।**



समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर शिक्षकों के प्रति बेरुखी बरतने का आरोप लगाते हुये चेतावनी भरे लहजे में कहा कि भाजपा शिक्षार्थियों व शिक्षकों को विरोध का एक ऐसा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य न करे जिससे हर क्षेत्र में ठहराव आ जाए। यादव ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा शिक्षा, शिक्षक, शिक्षार्थी विरोधी है।

गाँवों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट नहीं होने से व असुरक्षा की वजह से मर्जर के बाद बच्चियाँ दूर के स्कूलों में नहीं भेजी जाएंगी, इससे स्त्री शिक्षा कम होगी, लोग अपने बच्चों को स्कूल से निकाल रहे हैं लेकिन ये सब बातें परिवारवाले ही समझ सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा रूढ़िवादी है और ये जानती है कि पढ़ा-लिखा व्यक्ति सवाल उठाता है, वो विभाजनकारी राजनीति का विरोध करता है इसीलिए स्कूल जितने कम होंगे, उतना ही भाजपा का विरोध कम होगा। शिक्षित नौकरी मांगेगा। सरकारी नौकरी होगी तो आरक्षण भी देना पड़ेगा। इसीलिए आरक्षण विरोधी भाजपा के एजेंडे में नौकरी है ही नहीं। बच्चों के माता-पिता व अध्यापकों को जितनी जल्दी ये बात समझ आ जाएगी कि भाजपा सरकार शिक्षा, शिक्षार्थी व शिक्षकों के खिलाफ है और भाजपा की वजह से परिवार वालों के बच्चों का भविष्य अंधकारमय है, उतनी ही जल्दी परिवर्तन के लिए जमीन बननी तैयार हो जाएगी।

यादव ने कहा कि भाजपा शिक्षार्थियों व शिक्षकों को विरोध का एक ऐसा आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य न करे जिससे हर क्षेत्र में ठहराव आ जाए। भाजपा शिक्षार्थियों व शिक्षकों की समस्याओं के प्रति हमेशा बेरुखी का नजरिया अपनाती है। भाजपा की सरकार एक हृदयहीन सरकार है। जिसमें संवेदना न हो वो सरकार नहीं चाहिए।

उन्होने कहा, सबको याद है कि हमने 'ऑनलाइन हाजिरी' के आंदोलन के समय कहा था कि शिक्षकों का सम्मान और उन पर विश्वास करने से ही अच्छी पीढ़ी जन्म लेती है। गुरुओं के साथ जो अभद्र भाषा बोलते हैं, उनका अपमान करते हैं वो अशिक्षित के समान ही हैं।

'अहंकार' लोगों को अनपढ़ बना देता है क्योंकि अहंकारी न तो किसी की तकलीफ दुख को पढ़ता है, न सुनता है। शिक्षकों पर अविश्वास जताकर और उनका तिरस्कार करके भाजपा सरकार ने साबित कर दिया है कि वो न तो शिक्षा का सम्मान करती है, न शिक्षकों का, न शिक्षार्थियों का। भाजपा ने छात्रों और अध्यापकों का भरोसा खो दिया है। 'अब शिक्षा विरोधी भाजपा जाएगी, फिर कभी नहीं आएगी।

सपा प्रमुख ने कहा कि दिल्ली में बैठी भ्रष्ट भाजपा सरकार झूठे आंकड़ों की चादर से प्रदूषण की असहनीय तकलीफ को ढकना चाहती है। प्रदूषण के स्तर का सच उन मासूम बच्चों, बीमारों और बुजुर्गों से पूछना चाहिए, जो एक-एक सांस लेने के लिए जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ₹भाजपा झूठी थी, झूठी है और झूठी ही रहेगी।

ज्ञात हो कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का असर अब जनजीवन पर भी साफ दिखाई देने लगा है। राजधानी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 के आसपास पहुंचने से हवा की स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। जहरीली धुंध के कारण कई स्थानों पर दृश्यता भी प्रभावित हुई है।हालात ऐसे हैं कि लोगों को नजदीक की वस्तुएं देखने में भी परेशानी हो रही है। पिछले कई दिनों से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब से गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। कम दृश्यता के कारण सड़क यातायात के साथ ही रेल और हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

# बंथरी की पुलिया पर दो बाइकों की भिड़ंत, तीन गंभीर घायल

**भिण्ड, साहस समाचार।**



लहार क्षेत्र में बंथरी की पुलिया के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर 108 एंबुलेंस ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिरखड़ी निवासी विकास दोहरे के पक्ष और दूसरे पक्ष के बीच बंथरी की पुलिया के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हुई। हादसे में 60 वर्षीय कुंवर बाई, 40 वर्षीय शेर सिंह और 62 वर्षीय बनीराम गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तत्काल रौन अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए भिण्ड जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

रौन अस्पताल से भिण्ड जिला अस्पताल तक घायलों को शिफ्ट करने के दौरान 108 एंबुलेंस के ईएमटी मनीष नायक, मुकेश तथा पायलट चित्तर और भरत ने तत्परता से जिम्मेदारी निभाई। टीम ने रास्ते भर घायलों की स्थिति पर निगरानी रखी और उन्हें सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया।

समय पर एंबुलेंस सेवा मिलने से घायलों को शीघ्र उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिली। परिजनों ने एंबुलेंस टीम की तत्परता और सेवाभाव की सराहना करते हुए आभार जताया।

# विश्व निशानेबाजी: भारत को टीम स्वर्ण, ईशा और मनु एकल फाइनल में

**जयपाल मालवीय ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत जीतकर भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल किया।**

**दोहा,एजेंसी।** भारत की स्टार पिस्टल निशानेबाज और एशियाई खेलों में कई पदक जीत चुकीं ईशा सिंह ने मंगलवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय महिला टीम को 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का स्वर्ण पदक दिलाया। ईशा ने दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर के साथ व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी जगह पक्की कर ली है।



ईशा ने दो दिन तक चली क्वालीफिकेशन स्पर्धा में 590 अंकों के साथ भारतीय तिकड़ी में शीर्ष स्थान हासिल किया। मनु भाकर के 587 और दिव्या सुब्बाराजू के 584 अंकों की बदौलत भारतीय टीम ने कुल 1761 अंक जुटाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दक्षिण कोरिया ने 1748 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जबकि वियतनाम की टीम 1745 अंकों के साथ कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही।

भारत की प्रमुख पिस्टल निशानेबाजों में शामिल 21 वर्षीय ईशा ने व्यक्तिगत पदक के साथ-साथ 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने की अपनी उम्मीदें भी मजबूत कर ली हैं। उन्होंने क्वालीफिकेशन में तीसरा स्थान हासिल करते हुए आठ निशानेबाजों के फाइनल में प्रवेश किया।

जर्मनी की डोरेन वेनकैम्प ने 592 अंकों के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। हंगरी की अनुभवी निशानेबाज वेरोनिका मेजर 591 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। विश्व चैंपियनशिप से पहले लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही मनु भाकर ने भी शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बना ली।

वह 587 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं। दिव्या सुब्बाराजू बेहद मामूली अंतर से फाइनल में पहुंचने से चूक गईं और 10वें स्थान पर रहीं। ईशा ने सोमवार को प्रिसिजन चरण में 292 अंक हासिल किए थे, लेकिन मंगलवार को रैपिड चरण में दमदार वापसी की। उन्होंने तीन सीरीज में क्रमशः 100, 98 और 100 अंक अर्जित किए।

इस तरह रैपिड चरण में 298 अंक और कुल 590 अंकों के साथ उन्होंने अपना अभियान शानदार ढंग से आगे बढ़ाया। मनु भाकर ने भी प्रिसिजन चरण के 289 अंकों के बाद रैपिड चरण में बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन सीरीज में 99, 99 और 100 अंक हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। भारत के पास अब ओलंपिक कोटा की संख्या बढ़ाने का सुनहरा मौका है।

व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाले तीनों निशानेबाजों के देशों को लॉस एंजिलिस ओलंपिक का कोटा मिलेगा। ऐसे में अगर ईशा और मनु दोनों पोडियम पर जगह बनाने में सफल रहती हैं तो भारत को दो और ओलंपिक कोटा मिल सकते हैं। इससे पहले जयपाल मालवीय ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतकर भारत के लिए लॉस एंजिलिस ओलंपिक का पहला कोटा हासिल किया था।

वह इस विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले पहले निशानेबाज बने। महिला टीम का स्वर्ण पदक और दो निशानेबाजों का व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचना भारतीय अभियान के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। अब तक प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। खासकर राइफल स्पर्धाओं में निरंतरता की कमी देखने को मिली है। इसके अलावा राइफल निशानेबाज शांभवी क्षीरसागर के अयोग्य घोषित किए जाने से जुड़ा विवाद भी भारतीय अभियान पर छाया रहा है।

# बारिश के कारण भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा एकदिवसीय रद्द



**हैमिल्टन,एजेंसी।** भारत और न्यूजीलैंड के बीच मंगलवार को यहां सेडन पार्क में खेला जाने वाला तीसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। भारत पांच मैच की शृंखला में 2-0 से आगे है। दोनों टीम अब अंतिम दो मुकाबलों के लिए टाउरंगा रवाना होंगी जहां 13 और 15 नवंबर को मैच खेले जाएंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने लगातार तीसरी बार टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पिछले दो मुकाबलों में उतरी टीम में कोई बदलाव नहीं किया।

हालांकि 40-40 ओवर के मैच के लिए मैदान से कवर्स हटाए जाने के दौरान एक बार फिर बारिश शुरू हो गई। 20-20 ओवर के मुकाबले के लिए स्थानीय समयानुसार शाम सात बजकर 50 मिनट की निर्धारित समय सीमा में कम से कम 70 मिनट शेष होने के बावजूद दोनों अंपायरों ने मैच रद्द करने का फैसला किया। इस मुकाबले के लिए मौसम का पूर्वानुमान पहले से ही निराशाजनक था और पूरे दिन बारिश की 90 प्रतिशत संभावना जताई गई थी।

यह शृंखला में कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल का आखिरी मुकाबला होना था। इसके बाद दोनों वेलिंगटन में टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। उनके साथ कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज और मोहम्मद सिराज भी टेस्ट टीम से जुड़ेंगे। गिल की अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर अंतिम दो मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं रुतुराज गायकवाड़ और इशान किशन को अंतिम दो मैच की एकादश में जगह मिलने की संभावना है।

# कंबोज को रास आ रहा है ठंड में गेंदबाजी करना

**हैमिल्टन,एजेंसी।** न्यूजीलैंड में पहली बार खेल रहे भारतीय तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज यहां के ठंडे मौसम और तेज गेंदबाजों की अनुकूल पिचों पर सहज महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि यहां की परिस्थितियां उन्हें हरियाणा में अपने घरेलू मैदान पर सर्दियों के मौसम की याद दिलाती हैं। कंबोज ने 13 साल की उम्र से हरियाणा के लाहली में सर्दियों के दौरान क्रिकेट खेला है।

उन्होंने कहा कि पहले दो एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑकलैंड के ईडन पार्क और वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की उछाल भरी पिचों पर गेंदबाजी करने का उन्होंने लुत्फ उठाया है।

पहले बदलाव के रूप में गेंदबाजी करते हुए कंबोज ने सटीक लाइन और लेंथ से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। उन्होंने पहले दो मैच में क्रमशः 22 और 25 रन देकर दो-दो विकेट हासिल किए। कंबोज ने मेजबान प्रसारक से कहा, मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं इसलिए यहां का मौसम और पिचें काफी हद तक हरियाणा जैसी ही हैं। कंबोज ने कहा कि गेंदबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में भी सटीकता से समझौता नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा, यह पिच और परिस्थितियों के हिसाब से सटीक लाइन और सही लेंथ पर गेंदबाजी करने की बात है। फिलहाल यह मेरे लिए कारगर साबित हो रहा है और मैं सिर्फ इसी पर ध्यान दे रहा हूं। कंबोज ने भारत ए की ओर से एक मुकाबला खेला था।

# बुमराह और जडेजा को नहीं मिल पाया पर्याप्त अभ्यास का मौका

**लिंकन,एजेंसी।** जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा को लंबे ब्रेक के बाद मैच अभ्यास हासिल करने का मौका नहीं मिल सका क्योंकि भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरा अनौपचारिक टेस्ट मंगलवार को यहां चौथे और अंतिम दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के कारण ड्रॉ समाप्त हुआ। मैच के तीसरे दिन सोमवार को भी बारिश के कारण खेल नहीं हो सका था। इस तरह तीन मैच की शृंखला के सभी मुकाबले ड्रॉ रहे।



भारत ए ने यशस्वी जायसवाल के शृंखला के लगातार दूसरे शतक और साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, तिलक वर्मा तथा वाशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की मदद से पांच विकेट पर 464 रन बनाकर पारी घोषित की थी। न्यूजीलैंड ए ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 36 रन बनाए थे। भारतीय टीम के नजरिये से यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण था क्योंकि ब्रेक के बाद वापसी कर रहे बुमराह और जडेजा को मैच अभ्यास का मौका मिलने की उम्मीद थी।

बुमराह ने अपना पिछला मैच तीन अक्टूबर को जापान के आइची-नागोया में पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल में खेला था। उन्हें न्यूजीलैंड दौरे के सीमित ओवरों के चरण से विश्राम दिया गया था जिससे कि 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए वह तरोताजा रह सकें। इस मुकाबले में बुमराह को केवल छह ओवर गेंदबाजी करने का मौका मिला जिसमें उन्होंने 11 रन दिए।

वह टेस्ट शृंखला से पहले कई स्पैल गेंदबाजी करके अच्छी लय हासिल करना चाहते थे लेकिन खराब मौसम ने उनकी तैयारियों पर पानी फेर दिया। विदेशी परिस्थितियों में आमतौर पर प्रमुख बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले जडेजा को बल्लेबाजी का मौका मिला। उन्होंने 71 गेंद का सामना करते हुए 25 रन बनाए और एक घंटे 20 मिनट तक क्रीज पर रहे। हालांकि जडेजा को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला क्योंकि भारत ए की टीम केवल 14 ओवर ही गेंदबाजी कर सकी।

बुमराह, जडेजा के अलावा जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन, वाशिंगटन सुंदर और आकाश दीप अब वेलिंगटन रवाना होंगे जहां भारतीय सीनियर टीम की नजरें बारिश नहीं होने की स्थिति में छह अभ्यास सत्र के जरिए तैयारी करने पर होंगी। भारत ए की शृंखला की बात करें तो जायसवाल के लगातार दो शतक और पडिक्कल का शानदार प्रदर्शन टीम के लिए दो बड़ी सकारात्मक चीजें रहीं। पडिक्कल ने पहले अनौपचारिक टेस्ट में 199 रन बनाए थे जिससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। सुदर्शन ने भी कुछ अर्धशतक जड़कर अपनी उपयोगिता साबित की।

# पंत मैच जैसी परिस्थितियों में कर रहे अभ्यास

**नई दिल्ली,एजेंसी।** स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से फिटनेस मंजूरी मिलने की उम्मीद है। पंत फिटनेस संबंधी मंजूरी मिलने के बाद बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। उनकी मौजूदगी टेस्ट टीम को मजबूती प्रदान करेगी।

पंत को शेष भारत की ओर से ईरानी कप में खेलते समय साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट लग गई थी। इसके बाद उन्हें शुरुआत में फिटनेस के आधार पर एक अनौपचारिक टेस्ट मैच के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया था। वह सीओई से जरूरी 'आरटीपी' (रिटर्न टू प्ले) यानी खेलों में वापसी से जुड़ा प्रमाणपत्र हासिल नहीं कर सके थे।

इस घटनाक्रम से जुड़े बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, पंत पूरी तरह फिट हैं। वह आज सीओई में मैच सिमुलेशन (मैच जैसी परिस्थिति) अभ्यास कर रहे हैं। बुधवार को उनका एक और सिमुलेशन सत्र निर्धारित है। दोनों सत्र सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद पंत 12 नवंबर को वेलिंगटन के लिए रवाना हो जाएंगे।

गौरतलब है कि मौजूदा भारतीय टीम में पंत उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव है। भारतीय टीम ने पिछली बार 2020 में न्यूजीलैंड का दौरा किया था और पंत उस दौरे का हिस्सा थे।

आक्रामक रवैये के साथ बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले 29 वर्षीय पंत मौजूदा टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में शुमार हैं।

## बिजनेस

### बजाज फाइनेंस में 5,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी बजाज फिनसर्व

**मुंबई,एजेंसी।** गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस में उसकी प्रवर्तक कंपनी बजाज फिनसर्व करीब 5,800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। बजाज फाइनेंस के निदेशक मंडल की विशेष समिति की मंगलवार को हुई बैठक में बजाज फिनसर्व को वरीयता के आधार पर 5,74,25,740 करोड़ परिवर्तनीय वारंट आवंटित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई।

### ईपीएफओ की सीबीटी बैठक अगले हफ्ते होगी

**नई दिल्ली।** कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की 240वीं केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की बैठक 19 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में होने जा रही है। इसमें सरकार कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत न्यूनतम मासिक पेंशन को 1,000 रुपए से बढ़ाकर 3,000 रुपए करने पर विचार कर सकती है।

# भारतीय शेयर बाजार रिटर्न में वैश्विक बाजारों से निकले आगे

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार ने 18 जून के बाद से ज्यादातर वैश्विक बाजार से अच्छा प्रदर्शन किया है और इस अवधि में निफ्टी 500 इंडेक्स का डॉलर में रिटर्न 2.81 प्रतिशत हो गया है। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सूचकांक एसएंडपी 500 में एक प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जबकि यूएस के टेक्नोलॉजी इंडेक्स नैस्डेक कंपोजिट में 4.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। समीक्षा अवधि में एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 36.1 प्रतिशत की सबसे अधिक गिरावट देखने को मिली है।




साथ ही, जापान के निक्केई 225 में 14.87 प्रतिशत, ताइवान के टीडब्ल्यूएसई में 13 प्रतिशत और एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट इंडेक्स में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आई है। व्यापक एशिया एक्स-जापान इंडेक्स में करीब 15 प्रतिशत की गिरावट हुई है। यह बेहतर प्रदर्शन ऐसे समय में देखने को मिला है जब भारतीय इक्विटी मार्केट ने हाल के हफ्तों में जोरदार वापसी की है। इसे मजबूत कॉर्पोरेट नतीजों और बेहतर होते रिस्क सेंटीमेंट का समर्थन मिला है।

सोमवार को निफ्टी 500 इंडेक्स 23,566.60 के स्तर पर बंद हुआ। यह 30 अक्टूबर के 21,895.90 के स्तर से 7.6 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही, इंडेक्स ने लगातार सातवें सत्र में बढ़त दर्ज की है। इसके अलावा, यह इंडेक्स अब अपने 52-सप्ताह के उच्च स्तर 24,144 से लगभग 2.4 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि हालिया तेजी में फाइनेंशियल शेयरों की अहम भूमिका रही, जिनमें सप्ताह के दौरान 7.58 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंज्यूमर साइक्लिकल शेयरों में 5.65 प्रतिशत और हेल्थकेयर शेयरों में 5.56 प्रतिशत की तेजी आई।

इस दौरान कॉर्पोरेट नतीजों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। 6 नवंबर तक, निफ्टी 500 की 331 कंपनियों ने अपने नतीजे घोषित कर दिए थे। इनमें से 253 गैर-वित्तीय कंपनियों की मीडियन सेल्स ग्रोथ 21.2 प्रतिशत रही, जबकि मीडियन ईबीआईटीडीए ग्रोथ 19.8 प्रतिशत दर्ज की गई।

टैक्स के बाद मीडियन प्रॉफिट में 16.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, और लगभग 73 प्रतिशत कंपनियों ने अपने मुनाफे में बढ़ोतरी दर्ज की। बैंकों, नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियों सहित वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों ने 22.9 प्रतिशत की मीडियन प्रॉफिट ग्रोथ दर्ज की।

इसके अलावा, कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते की उम्मीदों ने भी बाजार के सेंटीमेंट को बेहतर किया है। निवेशकों का मानना है कि इससे ऊर्जा लागत, भू-राजनीतिक तनाव और सप्लाई-चेन में आने वाली रुकावटों से जुड़ी चिंताएं कम हो सकती हैं।

# कोचीन शिपयार्ड का दूसरी तिमाही में मुनाफा 50 प्रतिशत घटा

**मुंबई,एजेंसी।** सरकारी क्षेत्र की जहाज निर्माता कंपनी कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी के मुनाफे में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।




इसकी वजह कंपनी के जहाज निर्माण कारोबार का कमजोरी प्रदर्शन करना है। हालांकि, इस दौरान राजस्व में बढ़ोतरी हुई और जहाज मरम्मत कारोबार का प्रदर्शन मजबूत रहा। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में उसका कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा घटकर 53.8 करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 107.5 करोड़ रुपए था। इस तरह मुनाफे में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, इस दौरान परिचालन से राजस्व सालाना आधार पर 11.7 प्रतिशत बढ़कर 1,249 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1,119 करोड़ रुपए था। तिमाही के दौरान कंपनी का परिचालन प्रदर्शन दबाव में रहा। ईबीआईटीडीए एक साल पहले के 73.66 करोड़ रुपए से 30.8 प्रतिशत घटकर 50.95 करोड़ रुपए रह गया।

वहीं, ईबीआईटीडीए मार्जिन पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 6.6 प्रतिशत से घटकर 4.1 प्रतिशत पर आ गया। कंपनी के अलग-अलग कारोबारों के प्रदर्शन में मिला-जुला रुझान देखने को मिला। जहाज निर्माण कारोबार से राजस्व पिछले साल की समान तिमाही के 759 करोड़ रुपए से मामूली बढ़कर 783.1 करोड़ रुपए हो गया।

हालांकि, इस सेगमेंट में परिचालन घाटा वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में 6.1 करोड़ रुपए रहा है, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में इसने 149.7 करोड़ रुपए का परिचालन मुनाफा दर्ज किया था। इसके विपरीत, जहाज मरम्मत कारोबार का प्रदर्शन मजबूत रहा। इस सेगमेंट का राजस्व एक साल पहले के 359.6 करोड़ रुपए से बढ़कर 466.05 करोड़ रुपए हो गया।

वहीं, परिचालन मुनाफा दोगुने से अधिक बढ़कर 143.3 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 67.2 करोड़ रुपए था। तिमाही नतीजों के साथ ही कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 5 रुपए अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 3 रुपए के अंतरिम लाभांश को मंजूरी दी। यह शेयर के अंकित मूल्य का 60 प्रतिशत है।

# भारत में बंपर बिक्री से सुजुकी मोटर का राजस्व 16.8 प्रतिशत बढ़ा

**मुंबई, एजेंसी।** जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन का राजस्व चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर की दूसरी तिमाही में 16.8 प्रतिशत बढ़कर 1,713 अरब येन पर पहुंच गया।

इसमें भारतीय कारोबार का योगदान सबसे अधिक रहा जहां मारुति सुजुकी इंडिया के जरिए उसकी सबसे अधिक उत्पादन और बिक्री है। मारुति सुजुकी में सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की हिस्सेदारी 58.72 प्रतिशत है। मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को सुजुकी मोटर के वित्तीय परिणामों के बारे अपडेट जारी किया। इसमें बताया गया है कि दूसरी तिमाही में जापानी कंपनी का परिचालन लाभ एक साल पहले के मुकाबले 0.6 प्रतिशत घटकर 134 अरब येन रह गया।

वित्त वर्ष की पहले छमाही में राजस्व 19.4 फीसदी बढ़कर 3,419 अरब येन पर और परिचालन लाभ 5.5 प्रतिशत बढ़कर 292 अरब येन पर पहुंच गया। छमाही के दौरान यात्री वाहनों के कारोबार से कंपनी को 3,090 अरब येन की कमायी हुई जिसमें भारतीय कारोबार से राजस्व में 28.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 1,391 अरब येन हो गया।




कंपनी ने बताया कि इन छह महीनों में परिचालन लाभ में हुई वृद्धि में विदेशी मुद्रा विनिमय का योगदान 52 प्रतिशत सकारात्मक और कच्चे माल की कीमत में बदलाव का 151 प्रतिशत नकारात्मक रहा है। इस दौरान डॉलर और यूरो के मुकाबले येन की मजबूती का उसे फायदा हुआ है। साथ ही रुपये की तुलना में येन की कमजोरी भी उसके लिए सकारात्मक रही।

अप्रैल से सितंबर के दौरान कंपनी के यात्री वाहनों की कुल बिक्री 19.18 लाख इकाई रही। इसमें अकेले भारत में उसने 11.47 लाख वाहन बेचे। यह एक साल पहले की तुलना में 31.6 प्रतिशत अधिक है। भारत में यात्री वाहनों का उत्पादन 13.30 लाख इकाई रहा जो सालाना आधार पर 26.6 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है।

सुजुकी मोटर भारत में अपनी मोटरसाइकिलें अकेले बनाती है। पहली छमाही में इस खंड में उसकी बिक्री 11.67 लाख इकाई रही जिसमें भारतीय बाजार में उसने 6.13 लाख मोटरसाइकिलें बेची हैं। यह पिछले साल की समान छमाही से 8.4 प्रतिशत अधिक है। भारत में मोटरसाइकिलों का उसका उत्पादन 7.2 फीसदी बढ़कर 6.68 लाख हो गया।

# मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीद से कच्चे तेल में भारी गिरावट

**नई दिल्ली,एजेंसी।** मध्य पूर्व में तनाव कम होने की उम्मीदों के चलते मंगलवार को कच्चे तेल में भारी गिरावट देखने को मिली है और इससे बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 90 डॉलर प्रति बैरल के नीचे फिसल गया है। दोपहर 3:50 बजे (भारतीय समयानुसार) तक, ब्रेंट क्रूड 2.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.88 डॉलर प्रति बैरल पर था, जबकि, यूएस डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 84.85 डॉलर प्रति औंस पर था।



कच्चे तेल में गिरावट अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन फिलहाल ईरान के खिलाफ कोई नया सैन्य हमला नहीं करेगा। इससे मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति में लंबे समय तक बाधा आने की चिंताएं कम हो गईं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मध्य पूर्व में राजनयिक प्रगति के संकेतों के बीच कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव आया है। हालांकि, जारी भू-राजनीतिक तनाव और शिपिंग मार्गों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता के कारण कीमतों में गिरावट सीमित रह सकती है।

उनके अनुसार, रनिवेशक वैश्विक मांग और आपूर्ति के परिदृश्य के बारे में नए संकेत पाने के लिए यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन (ईआईए), ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपीईसी) और इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) की ओर से आने वाली मासिक तेल आपूर्ति और मांग रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा, रूस और यूक्रेन के अधिकारी मंगलवार को अमेरिका की मध्यस्थता में दो दिनों की बातचीत के लिए मिलने वाले हैं। फरवरी के बाद से यह उनकी पहली ऐसी मुलाकात होगी।

खबरों के अनुसार, ट्रंप ने कहा है कि कतर सहित क्षेत्र के कई देशों की अपील के बाद, उन्होंने ईरान के खिलाफ आगे और सैन्य हमले न करने का फैसला किया है। उन्होंने यह बात व्हाइट हाउस में कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद कही। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि होर्मुज स्ट्रेट में नौसैनिक नाकेबंदी फिलहाल जारी रहेगी। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के एक अहम रास्ते की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।

इसके अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और खाड़ी देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच जल्द ही किसी शांति समझौते की संभावना पर संदेह जताया है। वहीं, ईरान की सुरक्षा परिषद के प्रमुख मोहसेन रेजाई ने बातचीत चलने की खबरों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को काल्पनिक बातचीत के बारे में 'फर्जी खबरें' फैलाना बंद कर देना चाहिए।



# पति और बेटी के साथ कश्मीर की वादियों का आनंद लेने पहुंचीं अभिनेत्री सुरभि ज्योति

**मुंबई।** अभिनेत्री सुरभि ज्योति इन दिनों अपने परिवार, पति और बेटी के साथ कश्मीर यात्रा का आनंद ले रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने अपनी इस यात्रा की झलकियां शेयर करते हुए बताया कि यह उनके लिए एक यादगार अनुभव रहा।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर श्रीनगर की यात्रा की तस्वीरें और खूबसूरत पल शेयर किए, सुरभि ने मां-बेटी के खास पल की झलक दिखाई।तस्वीरों में अभिनेत्री खूबसूरत बगीचों में पोज देती नजर आ रही हैं, जबकि कुछ तस्वीरों में उनके पति सुमित सूरी भी फैमिली ट्रिप में उनके साथ दिख रहे हैं। वहीं, कपल को अपनी नन्ही बेटी के साथ कीमती पल बिताते हुए भी देखा गया।



अपनी पोस्ट के जरिए अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने घाटी के खूबसूरत नजारों का भरपूर आनंद लिया। अपना अनुभव शेयर करते हुए सुरभि ने लिखा, 'कश्मीर की मेरी पहली यात्रा थी और इससे ज्यादा खूबसूरत कुछ हो ही नहीं सकता था। श्रीनगर में मैंने कुछ अविस्मरणीय दिन गर्मजोशी, मेहमाननवाजी, प्यारे लोग, शानदार खाना के साथ बिताए।'

अभिनेत्री सुरभि ज्योति ने बताया कि कश्मीर यात्रा में उन्होंने निशात बाग और चश्मे शाही समेत मशहूर मुगल गार्डन की सैर की। उन्होंने लिखा, 'निशात बाग और चश्मे शाही समेत खूबसूरत मुगल गार्डन घूमे, शहर और डल झील के खूबसूरत नजारे के लिए परी महल गईं।'

अभिनेत्री ने बताया कि बॉटनिकल गार्डन में भी टहलकर वहां का आनंद लिया और पतझड़ के मौसम में सुनहरी मेपल की पत्तियों को जादुई नजारा बताया। डल झील पर अपने समय के बारे में बात करते हुए सुरभि ने कहा कि वहां की शांत वादियां और शिकारा की सवारी ऐसा अनुभव था, जिससे उनका मन ही नहीं भरा।

इस यात्रा को और भी खास बनाते हुए अभिनेत्री ने लिखा, 'उसके लिए पहली बार, मेरे लिए पहली बार, और कश्मीर का एक ऐसा अनुभव जिसे हम हमेशा याद रखेंगे।' सुरभि ज्योति और उनके पति सुमित सूरी 13 जून 2026 को माता-पिता बने थे। कपल ने सोशल मीडिया पर इस खुशखबरी को फैंस के साथ शेयर करते हुए इस बात की जानकारी दी थी।

# पद्मालक्ष्मी के लिए खास रही इस साल की दिवाली

**मुंबई।** भारतीय मूल की सुपरमॉडल और टीवी हस्ती पद्मालक्ष्मी के लिए इस साल की दिवाली कई मायनों में खास रही। इस बार त्योहार की खुशियां उनके परिवार के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं थीं क्योंकि उनकी मां लक्ष्मी कई महीनों तक अस्पताल में रहने के बाद घर लौट आई हैं और धीरे-धीरे अपनी पुरानी जिंदगी की ओर लौट रही हैं। इस खास मौके पर पद्मा ने अपनी बेटी कृष्णा के साथ दिवाली मनाई और परिवार के साथ बिताए पलों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं।

पद्मालक्ष्मी ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में वह अपनी बेटी कृष्णा के साथ नजर आईं जबकि दूसरी तस्वीर में उनकी मां दिखाई दीं। तस्वीरों के साथ उन्होंने इस साल के दिवाली सेलिब्रेशन के बारे में दिल छू लेने वाला नोट लिखा। उन्होंने बताया कि इस बार परिवार ने बहुत सादगी से और कम लोगों के बीच त्योहार मनाया लेकिन खुशियां मनाने की वजहें कई थीं।



पद्मा ने अपने पोस्ट में लिखा, "इस साल हमने दिवाली बहुत सादगी से और परिवार के कुछ करीबी लोगों और दोस्तों के साथ मनाई। लेकिन जश्न मनाने के लिए हमारे पास बहुत कुछ था। इनमें सबसे खास था मां लक्ष्मी का कई महीनों बाद अस्पताल से घर लौटना। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वह अब काफी हद तक पहले जैसी हो गई हैं।"

पद्मा ने इस दौरान अपनी बेटी कृष्णा की नई शुरुआत का भी जिक्र किया। उन्होंने आगे लिखा, "हमने मेरे काम से जुड़ी सफलताओं का भी जश्न मनाया, जिनमें मेरी सातवीं किताब और सीबीएस के लिए नया शो बनाना शामिल है। इसके अलावा कृष्णा की नई शुरुआत भी हमारे लिए खुशी की बात रही, जिसके बारे में मैं बाद में बताऊंगी और सबसे जरूरी बात यह है कि मिडटर्म रिजल्ट ने भी यह उम्मीद जगाई कि अंधेरे पर रोशनी की जीत हुई है। उम्मीद है कि दिवाली सभी के जीवन में शांति और रोशनी लेकर आती रहेगी।"

भारत में जन्मी पद्मालक्ष्मी बचपन में ही अपने परिवार के साथ अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की और बाद में टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। वह मशहूर कुकिंग रियलिटी शो 'टॉप शेफ' की होस्ट के तौर पर काफी लोकप्रिय हुईं। इसके अलावा उन्होंने लेखन की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाई है और अब तक कई किताबें लिख चुकी हैं।

# 'आंसू आ गए', केरल में ओट्टनथुल्लल देखकर मंत्रमुग्ध हुईं सोना मोहपात्रा

**मुंबई।** गायिका सोना मोहपात्रा ने दीपावली का पावन पर्व केरल में सेलिब्रेट किया। मंगलवार को उन्होंने वहां की पारंपरिक कला ओट्टनथुल्लल के बारे में बताते हुए कहा कि उसे देखकर वह मंत्रमुग्ध हो गईं। ओट्टनथुल्लल केरल का एक प्रसिद्ध पारंपरिक एकल नृत्य और काव्य-वाचन कला रूप है, जिसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में प्रसिद्ध मलयालम कवि कुंचन नंबियार ने की थी।

सोना ने इंस्टाग्राम पर केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया।सोना मोहपात्रा ने अपना अनुभव शेयर करते हुए लिखा, 'केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में आंसू आ गए।'



उन्होंने आगे कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, 'कहानी? द्रौपदी भीम को खुशबूदार कल्याणसौगंधिकम फूल की खोज में भेजती हैं। सुनने में आसान लगता है? लेकिन इस अद्भुत कलाकार ने पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदलकर, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गाकर, अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य करके, भाव, आवाज, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलकर सबको चौंका दिया।

## विदेश

### बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना पर ड्रोन और आईईडी से हमले

**क्वेटा।** बलूचिस्तान के मस्तुंग और कलात जिलों में पाकिस्तानी सेना पर कई ड्रोन और आईईडी हमले हुए हैं। इन हमलों में कई लोगों के हताहत होने और भारी नुकसान होने की खबर है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमवार को मस्तुंग के खादकोचा इलाके में मुख्य सैन्य शिविर पर कम से कम दो ड्रोन से हमले किए गए।

### पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चेकपोस्ट पर हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हांगू जिले के शाह अलमास पीर पहाड़ी स्थित एक पुलिस चेकपोस्ट पर सशस्त्र हमलावरों ने हमला किया। इस हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और तीन अन्य का अपहरण कर लिया गया।

# अमेरिका के युद्ध सचिव हेगसेथ ने ईरान युद्ध का बचाव और महाभियोग को किया खारिज

**वाशिंगटन।** अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने ईरान में चल रहे युद्ध का बचाव करते हुए इसे जरूरी बताया। उन्होंने चुनाव में होने वाले नुकसान को लेकर उठ रहे सवालों और महाभियोग की चिंताओं को खारिज किया और रिपब्लिकनों से सैन्य फंडिंग के एक बड़े पैकेज को मंजूरी देने का आग्रह किया। सोमवार (स्थानीय समय) को नेवल वॉर कॉलेज में अपनी बात रखने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए हेगसेथ ने कहा कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इस रुख से सहमत हैं कि वे फिर से सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि कोई कदम लोकप्रिय ही हो लेकिन वह जरूरी हो सकता है।'उनकी यह टिप्पणी तब आई जब एक पत्रकार ने सोशल मीडिया की



एक पोस्ट का जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर उपराष्ट्रपति ने कहा था कि सर्वे करने वालों का मानना है कि ईरान युद्ध ही वह मुख्य कारण था, जिसकी वजह से रिपब्लिकन पार्टी मध्यावधि चुनाव हार गई।हेगसेथ ने किसी पर दोष मढ़ने से इनकार कर दिया और यह भी नहीं बताया कि क्या उन्होंने इस पोस्ट के बारे में उपराष्ट्रपति से कोई चर्चा की थी।

उन्होंने कहा, 'मैं उपराष्ट्रपति का बहुत सम्मान करता हूं और मैं एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने के इस खेल में नहीं पड़ना चाहता।'उन्होंने उपराष्ट्रपति को टीम का एक अहम सदस्य बताया और कहा कि अधिकारी खुलकर अपनी राय देते हैं। इसके बाद उन्होंने ट्रम्प के उस फैसले का बचाव किया, जिसमें उन्होंने ईरान द्वारा परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिशों का सामना करने का कदम उठाया था।

हेगसेथ ने दावा किया कि तेहरान एक पारंपरिक मिसाइल शील्ड बना रहा था, ताकि बाहरी ताकतों को उसके परमाणु मंसूबों को रोकने से रोका जा सके। उन्होंने प्रशासन की प्रतिक्रिया के तौर पर 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' और 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' का हवाला दिया। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनके पास उस हफ्ते महाभियोग प्रस्तावों को हराने के लिए पर्याप्त रिपब्लिकन समर्थन है, तो हेगसेथ ने भरोसा जताया, लेकिन वोटों की कोई गिनती नहीं बताई।

उन्होंने कहा, 'अरे, हमें उस बात की कोई चिंता नहीं है।'इससे पहले हेगसेथ ने उन्हें हटाने की कोशिशों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया था। उन्होंने तर्क दिया कि आलोचक सफल सैन्य अभियानों और अमेरिकी सैनिकों की उपलब्धियों पर सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने यूरोपीय सहयोगियों से अधिक योगदान हासिल करने, लैटिन अमेरिका में कार्टेल (आपराधिक गिरोहों) के खिलाफ सहयोग बढ़ाने और प्रशांत क्षेत्र में गठबंधनों को मजबूत करने का श्रेय प्रशासन को दिया।हेगसेथ ने यह स्पष्ट नहीं किया कि किन शर्तों के तहत ईरान में युद्ध औपचारिक रूप से समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप के पास बढ़त है और वे चाहें तो सैन्य अभियानों को रोक सकते हैं। साथ ही उन्होंने तेहरान को परमाणु सामग्री इधर-उधर न करने की चेतावनी भी दी।

## विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूसी विदेश मंत्री लावरोव से की बात

**नई दिल्ली।** विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बातचीत की। इस दौरान यूक्रेन संघर्ष को लेकर दोनों पक्षों ने मौजूदा स्थिति और जारी राजनयिक प्रयासों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, "सोमवार शाम मेरी रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से बातचीत हुई। हमारी चर्चा मुख्य रूप से यूक्रेन संघर्ष और इसे लेकर चल रही कूटनीतिक पहलों पर केंद्रित रही।"इससे पहले सोमवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की।



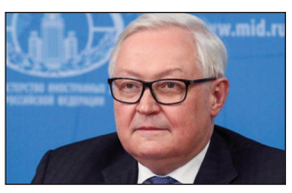

## कैलिफोर्निया नाव हादसा: दो मैक्सिकन पायलटों को 70-70 महीने की जेल

**वाशिंगटन।** दो मैक्सिकन बोट पायलटों को मानव तस्करी के मामले में 70-70 महीने जेल की सजा सुनाई गई है। इस तस्करी में मई 2025 में कैलिफोर्निया के पास एक नाव पलटने से दो भारतीय बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई थी।

28 साल के जीसस इवान रोड्रिगेज लेवा और 32 साल के जूलियो सीजर जुनिगा लूना को डेल मार के पास पलटी हुई नाव को चलाने के लिए फेडरल कोर्ट ने सजा सुनाई। मारे गए भारतीय बच्चों की उम्र 14 और 10 साल थी। कैलिफोर्निया के दक्षिणी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अनुसार, बाकी दो मृतक मैक्सिकन वयस्क थे।पायलटों ने माना कि नाव में सुरक्षित क्षमता से कहीं अधिक यात्री सवार थे। नाव में न तो कोई लाइट थी और न ही रेडियो।

# रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का कोई इरादा या योजना नहीं: रूसी उप विदेश मंत्री

**मॉस्को।** रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का कोई इरादा, योजना या कारण नहीं है। 'ऑर्गेनाइजेशन फॉर सिक्योरिटी एंड कोऑपरेशन इन यूरोप' (ओएससीई) के तत्वावधान में आयोजित 'यूरोप का सैन्यीकरण: आगे क्या?' विषयक एक गोलमेज चर्चा में रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की संभावना पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, मानो यह 'पहले से तय और अपरिहार्य' हो।रूसी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि रूस से किसी को कोई खतरा नहीं है और निकट, मध्यम या दीर्घकाल में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि रूस पर कोई आक्रामकता होती है, तो मॉस्को 'जवाब देने के लिए मजबूर' होगा।रयाबकोव ने कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारों का रूस-यूक्रेन



संघर्ष को समाप्त करने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है। सभी पक्षों के जायज हितों को ध्यान में रखते हुए इस संघर्ष को सुलझाया जा सकता था, लेकिन पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को उचित समाधानों को त्यागने और युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रूस-यूरोप संबंधों के भविष्य पर उन्होंने कहा कि मॉस्को का मानना है कि यूरोपीय देश देर-सवेर समानता, अविभाज्य सुरक्षा, व्यावहारिकता और एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखते हुए रूस के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हो जाएंगे।

रयाबकोव ने कहा कि रूस और उसके सहयोगियों के हितों को ध्यान में रखे बिना यूरोप में दीर्घकालिक स्थिरता हासिल नहीं की जा सकती।इसी कार्यक्रम में सैन्य सुरक्षा और हथियार नियंत्रण पर वियना वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख यूलिया झदानोवा ने कहा कि यूरोपीय देशों ने अपनी जनता के सामने भविष्य का कोई ऐसा दृष्टिकोण नहीं रखा है, सिवाय इस धारणा के कि रूस के साथ संघर्ष होना तय है।

उन्होंने नाटो की 'एस्केलेशन मैनेजमेंट' (तनाव बढ़ाने वाली स्थितियों को नियंत्रित करने) की अवधारणा को हानिकारक बताया। उन्होंने कहा कि यह मानना एक गलती है कि रूस और नाटो के बीच बढ़ते तनाव को काबू में रखा जा सकता है। झदानोवा ने कहा कि यह अवधारणा असल में नाटो और यूरोपीय संघ को गैर-जिम्मेदाराना तरीके से काम करने के लिए बढ़ावा देती है, और इससे सैन्य जोखिम कम करने में कोई मदद नहीं मिलती।

